

# दिल्ली राजपत्र Delhi Gazette



असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 11, 2013/माघ 22, 1934

[ रा.रा.रा.क्षे.दि. सं. 267

No. 25]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 11, 2013/MAGHA 22, 1934

[ N.C.T.D. No. 267

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र, दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

गृह पुलिस ( 1 )/स्थापना विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 11 फरवरी, 2013

फा. सं. 1/07/12/एचपी-1/स्था./7471 से 7478.—गृह मंत्रालय, भारत सरकार की दिनांक 20 मार्च, 1974 की अधिसूचना संख्या यू-11011/2/74-यूटीएल(1) के साथ पठित दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 की अधिसूचना संख्या 2) की धारा 2 के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल एतद्वारा निदेश देते हैं तथा दिल्ली पुलिस की सतर्कता इकाई को पुलिस स्टेशन घोषित करते हैं जो इस समय दिल्ली पुलिस भवन, आसफ अली रोड, दिल्ली में स्थित है या भविष्य में किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित होगा तथा इसके अलावा इसके निरीक्षक रैंक के अधिकारियों को सतर्कता इकाई द्वारा दर्ज सभी मामलों के पंजीकरण तथा जाँच के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) के उपबन्धों के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करने के लिए पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी की शक्तियाँ प्राप्त होंगी । इसका अधिकार क्षेत्र सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में होगा ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल  
के आदेश से एवं उनके नाम पर,

जी. पी. सिंह, अतिरिक्त सचिव (गृह)

## HOME POLICE (I)/ESTABLISHMENT DEPARTMENT

## NOTIFICATION

Delhi, the 11th February, 2013

**F. No. 01/07/12/HP-I/Estt./7471 to 7478.**—In exercise of the powers conferred by clause (s) of section 2 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), read with the Government of India, Ministry of Home Affairs, notification No.U-11011/2/74-UTL(1) dated 20<sup>th</sup> March, 1974, the Lieutenant Governor of the National Capital Territory of Delhi, hereby, directs and declares the Vigilance Unit of Delhi Police to be a Police Station presently situated at Delhi Police Bhawan, Asaf Ali Road, Delhi or at any other place/places where the office is shifted in future and further that its officers of the rank of Inspector shall enjoy the powers of officers in charge of a Police Station for registration and investigation of all cases registered by Vigilance Unit for exercising powers under the provisions of the Code of the Criminal Procedure 1973 (2 of 1974) and shall have jurisdiction over whole of the National Capital Territory of Delhi.

By Order and in the Name of the Lt. Governor  
of National Capital Territory of Delhi,

G. P. SINGH, Addl. Secy. (Home)

## व्यापार एवं कर विभाग

## अधिसूचना

दिल्ली, 11 फरवरी, 2013

**सं. फा. 7(420)/निति/वैट/2011/1203-1213.**—दिल्ली मूल्य संबद्धित कर अधिनियम, 2004 (2005 का दिल्ली अधिनियम संख्या 3) की धारा 49 के साथ पठित दिल्ली मूल्य संबद्धित कर नियम, 2005 के नियम 42क और धारा 70 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए, मैं, प्रशान्त गोयल, आयुक्त, मूल्य संबद्धित कर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, एतद्वारा लेखा-परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए प्रक्रिया और फार्म निम्नांकित अनुसार अधिसूचित करता हूँ :

नियमों के अंतर्गत नियम 42क को अधिनियम की धारा-49 के साथ पठित प्रत्येक पंजीकृत व्यापारी के लिए यह अनिवार्य होगा कि वह वर्ष की समाप्ति से साढ़े सात महीने के भीतर फार्म एआर-1 में लेखा-परीक्षा रिपोर्ट की दो प्रतियाँ दाखिल करे। यह अधिसूचना केवल उन व्यापारियों पर लागू होगी जिनका सकल बिक्री वर्ष 2011-12 में अथवा किसी भी उत्तरवर्ती वर्ष में रु. 10 करोड़ (रुपये दस करोड़) और उससे अधिक है। अधिनियम के परिशिष्ट की प्रथम अनुसूची में वर्णित वस्तुओं का विशेष रूप से व्यापार करने वाले व्यापारियों और शतप्रतिशत निर्यात कारोबार करने वाले व्यापारियों को इस अधिसूचना के तहत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट दाखिल करने से छूट दी गई है।

2. फार्म एआर-1

## फार्म एआर-1

## दिल्ली

मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 की धारा 49 के अंतर्गत लेखा परीक्षा रिपोर्ट

## अनुदेश

(कृपया रिपोर्ट तैयार करने से पहले अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

1. यह फार्म मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 की धारा 49 के अंतर्गत लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए लेखा परीक्षक द्वारा अनिवार्य रूप से इस्तेमाल किया जाएगा।
2. यह लेखा परीक्षा रिपोर्ट 12 भागों में विभाजित है। इस रिपोर्ट के सभी भागों, जो सभी लेखा परीक्षतियों (ऑडिटी) के लिए अनिवार्य हैं, में निम्नांकित जानकारी शामिल है :-

क्र.सं	भाग	विवरण	सम्बद्ध 'अनुलग्नक' जिसमें टिप्पणियां शामिल हैं
1	भाग-1	लेखा परीक्षा रिपोर्ट, सत्यापन और प्रमाणन, अतिरिक्त कर देयता, प्रतिकूल टिप्पणियों और व्यापारी की अनुशंसाओं का सारांश।	1
2	भाग-2	व्यापारी के बारे में सामान्य जानकारी।	2
3	भाग-3	दिल्ली वैट अधिनियम और केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम के अंतर्गत जमा कराई गई विवरणियों का ब्यौरा।	3
4	भाग-4	दिल्ली वैट अधिनियम के अंतर्गत कुल कारोबार की गणना।	4-1 से 4-5
5	भाग-5	केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम के अंतर्गत कुल कारोबार की गणना।	5-1 से 5-5
6	भाग-6	खरीद (स्थानीय और केंद्रीय)	6-1 से 6-4
7	भाग-7	घोषणा प्रपत्र के संदर्भ में बिक्री	7
8	भाग-8	स्रोत पर कर कटौती	8

9	भाग-9	दिल्ली के लिए वित्तीय सारांश और विश्लेषण	9
10	भाग-10	प्रश्नावली	10
11	भाग-11	लेखा परीक्षा के संचालन के लिए अपेक्षित जानकारी और रिकार्ड प्राप्त न होने का ब्यौरा	—
12	भाग-12	भाग 1 से भाग 10 से संबंधित अनुलग्नक	—

अनुलग्नकों के लिए कोई प्रारूप निर्दिष्ट नहीं किया गया है। लेखा परीक्षक प्रत्येक टिप्पणी/खामी के संदर्भ में पूरा और व्यापक ब्यौरा तथा सूचना देगा;

- लेखा परीक्षक दिल्ली वैट अधिनियम के सभी प्रावधानों और अधिसूचनाओं, परिपत्रों, धारा-85 के अंतर्गत अग्रिम व्यवस्थाओं और आयुक्त द्वारा जारी निर्धारण आदेश (जब तक कि उच्चतर अदालतों द्वारा रद्द न किया गया हो) सहित इस अधिनियम के अंतर्गत बनाए गए नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगा;
- यदि लेखा बहियों की लेखा परीक्षा आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई हो, तो लेखा परीक्षक को आयकर अधिनियम के अंतर्गत प्रमाणित वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्राप्त करनी चाहिए। यदि लेखा बहियों की लेखा परीक्षा किसी अन्य अधिनियम के अंतर्गत की गई हो तो लेखा परीक्षक को उस अधिनियम के अंतर्गत प्रमाणित वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षा रिपोर्ट भी प्राप्त करनी चाहिए; भाग-1 में किसी प्रमाणन में संशोधन नहीं किया जाएगा। यदि लेखा परीक्षक क्वालिफाइड रिपोर्ट देता है, तो यह भाग 1 के पैरा 4 में दी जानी चाहिए और तत्संबंधी कारण भी दिए जाने चाहिए।
- यदि व्यापारी की गतिविधियां एक से अधिक राज्यों में संचालित हों, तो उसकी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से संबंधित व्यापार गतिविधियों से सम्बद्ध तल पट (ट्रायल बैलेंस), व्यापार खाता और लाभ एवं हानि खाता संलग्न किया जाएगा, जो व्यापारी द्वारा अभिप्रमाणित होना चाहिए;
- जिन मामलों में निर्धारित दस्तावेज लेखा परीक्षक को उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे या वे अपर्याप्त और अधूरे होंगे, तो कर देयता की गणना उपलब्ध दस्तावेज के आधार पर

कानून की अपेक्षा के अनुसार की जाएगी। वैधानिक घोषणाओं और डेबिट (नामे) टिप्पणियों सहित दस्तावेज प्राप्त न होने के कारण संभावित कर देयता का अंतर इस रिपोर्ट के भाग 4, भाग 5 और भाग 11 में दर्शाया जाना चाहिए।

7. जिन मामलों में व्यापारी को केंद्रीय उत्पाद अधिनियम, 1944, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 अथवा राज्य उत्पाद अधिनियम या किसी अन्य अधिनियम/विनियम के अंतर्गत बिक्री, खरीद, आयात और निर्यात का रिकार्ड रखना अपेक्षित हो, तो लेखा परीक्षक को अनिवार्य रूप से उक्त अधिनियमों के अंतर्गत प्रकट किए गए और दिल्ली वैट अधिनियम, 2004 के अंतर्गत प्रकट किए गए बिक्री, खरीद, आयात और निर्यात के ब्यौरे के साथ मिलान करना चाहिए। यदि कोई महत्वपूर्ण अंतर दिखाई दे तो उसे तदानुरूप भाग 1 के पैरा 5 के अंतर्गत रिपोर्ट किया जाना चाहिए।
8. लेखा परीक्षक लेखा परीक्षा करते समय या रिपोर्ट तैयार करते समय एक तरफ असावधान/लिपिकीय/वैध गलतियों/त्रुटियों और दूसरी तरफ जानबूझ कर की गई/दुर्भावना के साथ की गई गलतियों के बीच कोई अंतर नहीं करेगा; तथापि, बाद का मामला भाग-1 के पैरा 5 के अंतर्गत रिपोर्ट किया जाना चाहिये,
9. जिन मामलों में कुछ व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण, कुछ आंकड़ों का पता न लगाया जा सके; तो उसके बारे में कारणों सहित समुचित टिप्पणी उस फील्ड के नीचे और लेखा परीक्षा रिपोर्ट के भाग 1 में की जानी चाहिए।
10. कोई फील्ड या बॉक्स खाली न छोड़ें। यदि कोई फील्ड या बॉक्स लागू न हो, तो संख्यात्मक फील्डों में '0' (शून्य) लिखें और अन्य फील्डों में 'ला.न.' के लिए 'लागू नहीं' लिखें;
11. लेखा परीक्षक सभी भागों और अनुलग्नकों को प्रमाणित करेगा। लेखा परीक्षा रिपोर्ट के प्रत्येक पृष्ठ पर लेखा परीक्षक अपनी मोहर लगाएगा और हस्ताक्षर करेगा;
12. लेखा परीक्षक रिपोर्ट के साथ निम्नांकित अनुलग्नक संलग्न करेगा  
लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ अनुलग्नक : —
  1. लेखांकन मानक 18 के अंतर्गत अपेक्षित संबंधित पक्ष हां/नहीं\*  
प्रकटीकरण सहित अनुलग्नकों के पूरे सेट के साथ  
वैधानिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

55406/13-2

2. लेखांकन मानक 18 के अंतर्गत अपेक्षित संबंधित पक्ष हां/नहीं\*  
 प्रकटीकरण सहित अनुलग्नकों के पूरे सेट के साथ  
 आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लेखा परीक्षा रिपोर्ट।
3. लेखा परीक्षिती (ऑडिटी) तुलनपत्रक, लाभ एवं हानि खाता/ हां/नहीं\*  
 आय एवं व्यय खाता
4. यदि व्यापारी की गतिविधियां बहु-राज्यीय हों, तो राष्ट्रीय हां/नहीं\*  
 राजधानी क्षेत्र दिल्ली में व्यापार गतिविधियों के  
 बारे में तल पट, (ट्रायल बैलेंस) व्यापार खाता और लाभ  
 एवं हानि खाता।

- जो लागू न हो उसे काट दें।

स्थान

तारीख :

मोहर

हस्ताक्षर

नाम :

पंजीकरण/सदस्यता संख्या

दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004  
 की धारा 49 के अंतर्गत लेखा परीक्षा

कार्यकारी सारांश

व्यापारी का नाम और पता :

टीआईएन

वार्ड

लेखा परीक्षा अवधि

से

तक

1. लेखा परीक्षा अवधि के दौरान दिल्ली वैट  
 विवरणी दाखिल करने में हुई चूक

संख्या लिखें

2. केंद्रीय बिक्री कर विवरणी दाखिल करने में हुई चूक
3. स्थानीय कारोबार का अधोविवरण रुपये.....
4. स्थानीय कर योग्य कारोबार का अधोविवरण रुपये.....
5. दिल्ली वैट की गणना में चूक रुपये.....
6. केंद्रीय कारोबार का अधोविवरण रुपये.....
7. केंद्रीय कर योग्य कारोबार का अधोविवरण रुपये.....
8. केंद्रीय बिक्री कर की गणना में चूक रुपये.....
9. स्रोत पर कर कटौती प्रावधानों के अनुपालन में चूक रुपये.....  
(कोई नहीं / कभी कभार / महत्वपूर्ण)
10. केंद्रीय घोषणा फार्मों का दुरुपयोग, यदि कोई (श्रेणीवार मूल्य यथा सी / एफ / एच / आई / जे)  
रुपये.....
11. लेखा बहियों और रिकार्डों का रखरखाव अच्छा / औसत / खराब
12. दिल्ली वैट / केंद्रीय बिक्री कर कानूनों के अनुपालन के मामले में व्यापारी के आचरण का मूल्यांकन करें उत्कृष्ट / अच्छा / औसत / खराब

स्थान

तारीख :

मोहर

हस्ताक्षर

नाम :

पंजीकरण / सदस्यता संख्या

दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004  
की धारा 49 के अंतर्गत लेखा परीक्षा

भाग—1  
लेखा परीक्षा रिपोर्ट और प्रमाणन

(जहां अपेक्षित हो अलग शीट संलग्न करें)

व्यापारी का नाम और पता																		
टीआईएन															वार्ड			
	से								तक									
लेखा परीक्षा अवधि																		

1. मैसर्स ..... (जिन्हें यहां बाद में लेखा परीक्षिती (ऑडिटी) कहा जाएगा), दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 (जिसे यहां बाद में डी-वैट अधिनियम कहा जाएगा) के अंतर्गत करदाता पहचान संख्या (टीआईएन) ..... और केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 (जिसे यहां बाद में "सीएसटी अधिनियम" कहा जाएगा) के अंतर्गत कर दाता पहचान संख्या (टीआईएन) ..... की लेखा परीक्षा डी-वैट अधिनियम की धारा 49 के अनुपालन में मेरे/हमारे (सनदी लेखाकार/लागत लेखाकार) द्वारा की गई।

लेखा बहियों, केंद्रीय बिक्री कर/वैट संबंधी रिकार्ड का रखरखाव और वित्तीय विवरण तैयार करना व्यापारी/इकाई के प्रबंधन का दायित्व है। हमारा दायित्व केंद्रीय बिक्री कर/वैट संबंधी रिकार्डों के बारे में अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर राय व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखा परीक्षा भारत में आमतौर पर स्वीकार्य मानक लेखा परीक्षा सिद्धांतों के अनुसार की है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम लेखा परीक्षा की आयोजना और उसका निष्पादन इस तरह से करें कि उसके आधार पर यह आश्वासन मिल सके कि केंद्रीय बिक्री कर और वैट संबंधी रिकार्ड और वित्तीय विवरण किसी महत्वपूर्ण गलत बयानी से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा के अंतर्गत परीक्षण के आधार पर यह जांच करना शामिल है कि वित्तीय विवरणों में वर्णित राशियां और प्रकटीकरण साक्ष्य द्वारा समर्थित हैं। लेखा परीक्षा के अंतर्गत प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा



लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का मूल्यांकन तथा समग्र वित्तीय विवरण प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारे द्वारा व्यक्त की गई राय का उपयुक्त आधार प्रदान करती है।

2. हमने व्यापारी की लेखा परीक्षा नीचे वर्णित केंद्रीय बिक्री कर/वैट विवरणियों के आधार पर की है।

क्र.सं.	विवरण												
1	लेखा परीक्षिती (ऑडिटी) द्वारा विवरणी दाखिल करने की अपेक्षित अवधि (उचित बाक्स में निशान लगाएं)				मासिक					त्रैमासिक			
2.	लेखा परीक्षाधीन अवधि जिसके लिए विवरणियों की जांच की गई है।				से					तक			
					<div></div>	<div></div>	<div></div>	<div></div>	<div></div>	<div></div>	<div></div>	<div></div>	<div></div>
3.	लेखा परीक्षिती (ऑडिटी) ने निर्दिष्ट कर अवधि के अनुसार सभी विवरणियां दाखिल की हैं				हां / नहीं								
4.	लेखा परीक्षिती (ऑडिटी) ने कर देयताओं को समय पर चुकता किया है।				हां / नहीं								

3. दाखिल की गई विवरणियों में अनुपालन न की गई बातों, खामियों और कमियों तथा गणना की गई कर देयताओं के बारे में सम्बद्ध भागों और इस भाग के पैरा 4 में की गई, मेरी/हमारी टिप्पणियों को छोड़ कर, मैं/हम अपने पूर्ण ज्ञान और विश्वास के अनुसार प्रमाणित करते हैं कि,

(क) मैंने/हमने वे सभी जानकारीयां और स्पष्टीकरण प्राप्त किए, जो मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार इस लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए अनिवार्य थे;

55406/13-3

(ख) मैंने/हमने लेखा परीक्षा के संचालन और लेखा परीक्षा रिपोर्ट तैयार करने के लिए निम्नांकित अनुदेशों को पढ़ा और उनका पालन किया;

(ग) व्यापारी द्वारा रखी गई लेखा बहियां और बिक्री कर/वैट संबंधी और अन्य रिकार्ड एवं रजिस्टर तथा बिक्री और खरीद संबंधी इन्वॉयस (बीजक) एवं कैश मीमो और अन्य अपेक्षित दस्तावेज दिल्ली वैट तथा सीएसटी अधिनियम के अंतर्गत कर देयता की गणना के लिए पर्याप्त हैं।

(घ) मैंने/हमने दिल्ली वैट अधिनियम और सीएसटी अधिनियम के अंतर्गत लेखा परीक्षिती (ऑडिटी) द्वारा लेखा परीक्षाधीन अवधि के लिए दाखिल की गई सभी विवरणियों (स्रोत पर कर कटौती संबंधी विवरणियों सहित) की जांच की है।

(ङ) निर्धारित बिक्री और खरीद के सकल कारोबार में दिल्ली वैट अधिनियम और सीएसटी अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप लेखा परीक्षाधीन अवधि के दौरान किए गए बिक्री और खरीद संबंधी सभी लेनदेन शामिल हैं।

(च) बिक्री और /या खरीद के कारोबार में समायोजन लेखा परीक्षाधीन अवधि के दौरान लेखा बहियों में की गई प्रविष्टियों पर आधारित है और वे आवश्यक दस्तावेज से समर्थित हैं;

(छ) बिक्री के सकल कारोबार से दावा की गई कटौतियां और उसमें वापस किए गए सामान के कारण कटौती सहित अन्य समायोजन, छूट के आधार पर समायोजन तथा अन्य कारणों के आधार पर जारी या प्राप्त डेबिट/क्रेडिट टिप्पणियां अपेक्षित दस्तावेज द्वारा समर्थित हैं और सम्बद्ध अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप हैं।

(ज) लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार दिल्ली वैट अधिनियम और/या इस अधिनियम से सम्बद्ध अनुसूचियों, धारा 85 के अंतर्गत अग्रिम व्यवस्थाओं और आयुक्त द्वारा पारित निर्धारण आदेशों (जब तक कि उच्चतर

अदालतों द्वारा रद्द न किये गये हों) में निर्दिष्ट कर की दर लागू करते हुए बिक्री पर लागू होने वाले कर की समुचित गणना की गई है।

(झ) भाग 7 में निर्दिष्ट के सिवाय, जहां कहीं व्यापारी ने घोषणाओं या प्रमाणपत्रों के तहत बिक्री का दावा किया है, वहां ऐसी सभी घोषणाओं और प्रमाणपत्रों की डुप्लीकेट प्रतियां मेरे/हमारे सामने प्रस्तुत की गईं और वे संबंधित प्रावधानों के अनुरूप हैं;

(ज) वस्तुओं की प्राप्तियों और खेप संबंधी रिकार्ड सही हैं और समुचित रूप से रखे गए हैं;

(ट) बिक्री के संबंध में कर इन्वायस (टैक्स इन्वायस) सम्बद्ध कानून के प्रावधानों के अनुरूप हैं;

(ठ) लेखा परीक्षी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में गतिविधियों के संचालन के लिए अलग बैंक खाता रखा है। मेरे/हमारे द्वारा बैंक ब्यौरे की जांच की गई है और उन्हें पूरी तरह लेखा बहियों में वर्णित किया गया है;

(ड) व्यापारी अपने द्वारा घोषित व्यापार के प्रमुख स्थान/व्यापार के अतिरिक्त स्थान/स्थानों से व्यापार का संचालन करता है; और

(ढ) लेखा परीक्षा को अंजाम देते समय समुचित व्यावसायिक सावधानी बरती गई है, और व्यापार प्रक्रियाओं एवं पद्धतियों संबंधी मेरी/हमारी टिप्पणियों, व्यापारी द्वारा रखी गई सामान सूची और लेखा बहियों के आधार पर मैंने/हमने निष्पक्ष होकर निष्कर्ष निकाला है कि,

(i) व्यापारी इस रिपोर्ट के भाग 2 में वर्णित वस्तुओं का व्यापार करता है;

(ii) व्यापारी के बिक्री कर/वैट संबंधी रिकार्ड से लेखा परीक्षाधीन अवधि के लिए व्यापार की मात्रा और आकार के बारे में सही और निष्पक्ष तस्वीर सामने आती है।

(ण) लेखा परीक्षी (ऑडिटी)/व्यापारी ने यदि धारा 16 के अंतर्गत कम्पोजिशन स्कीम अपनाई होती, तो वह उक्त स्कीम की सभी अनिवार्य शर्तें पूरी करता है तथा उसने स्कीम की अपेक्षाओं को पूरा किया है।

4. उपरोक्त रिपोर्ट निम्नांकित क्वालिफिकेशंस के अधीन है :-

- (क) \_\_\_\_\_
- (ख) \_\_\_\_\_
- (ग) \_\_\_\_\_
- (घ) \_\_\_\_\_
- (ङ) \_\_\_\_\_

5. अतिरिक्त कर देयता अथवा वर्ष के लिए लेखा परीक्षा के आधार पर व्यापारी के बकाया अतिरिक्त रिफंड का सारांश :-

क्र. सं.	विवरण	विवरणी के अनुसार राशि (रु. में)	लेखों के अनुसार लेखा परीक्षा में निर्धारित सही राशि (रु. में)	अंतर (रु. में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	दिल्ली मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, 2004 के अंतर्गत देय आउटपुट टैक्स			
2	केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 के अंतर्गत देय कर			
3	दावा किया गया इनपुट कर क्रेडिट			
4	वापस किया गया अपात्र इनपुट कर क्रेडिट			
5	समायोजन के लिए उपलब्ध निवल इनपुट कर क्रेडिट			
6	दावा किया गया रिफंड			
7	(क) मूल्य संवर्धित कर के प्रति समायोजित इनपुट कर क्रेडिट (ख) केंद्रीय बिक्री कर के प्रति समायोजित इनपुट कर क्रेडिट			
8	कोई अन्य मद (उल्लेख करें)			

मूल्यांकन वर्ष ..... के लिए निर्धारित व्यापारी की कर देयता निम्नांकित अनुसार है :-

अधिनियम	देय कर (सभी समायोजनों के बाद)	अदा किया गया कर (रु. में)	बकाया/फालतू
(1)	(2)	(3)	(4)
दिल्ली मूल्य संवर्धित कर			
केंद्रीय बिक्री कर			

व्यापारी को दी गई सलाह\*

- (i) अवधि/महीने ..... के लिए सशोधित विवरणी दाखिल करें (नियम 29 देखें)
- (ii) कर देयता के अंतर रु. .... और उस पर ब्याज रु. .... तथा अर्थदंड रु. .... का भुगतान करें।
- (iii) ..... की मासिक विवरणी में इनपुट कर क्रेडिट रु. .... रिवर्स (वापस) करें।
- (iv) रु. .... के रिफंड का दावा करें।

- (नोट : जो लागू न हो उसे काट दें।)

स्थान  
तारीख

मोहर

हस्ताक्षर  
नाम  
पंजीकरण/सदस्यता संख्या

554D 6/13-4

## भाग-2

व्यापारी की व्यापार गतिविधियों के बारे में सामान्य जानकारी  
(जहां आवश्यक हो अलग शीट संलग्न करें)

1. सामान्य सूचना											
क.	से						तक				
(1) लेखा परीक्षा के अंतर्गत अवधि											
(2) लेखा परीक्षिणी (ऑडिटी) द्वारा अनुपालन किया गया गणना वर्ष											
(3) सीएसटी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकरण संख्या											
(4) स्रोत पर कर कटौती के लिए दिल्ली वैट अधिनियम के अंतर्गत जारी और एन											
(5) आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत स्थाई लेखा संख्या (पैन)											
(6) दिल्ली वैट अधिनियम, 2004 के अंतर्गत कर दाता पहचान संख्या (टीआईएन)											
ख.	वैट अधिनियम के अंतर्गत संबंधित जानकारी										
(1) व्यापारी का नाम जैसा पंजीकरण प्रमाणपत्र में दर्ज है।	मैसर्स										
(2) व्यापार नाम (यदि कोई हो)	मैसर्स										
(3) व्यापार का पता और क्षेत्र का ब्यौरा (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान यदि पते में परिवर्तन हुआ हो तो उसका भी उल्लेख करें)											
(4) टेलीफोन/मोबाइल नंबर तथा ई-मेल											
(5) दिल्ली में व्यापार और गोदामों के अतिरिक्त स्थान का पूरा पता और क्षेत्र ब्यौरा											
(6) व्यापार में हित रखने वाले व्यक्तियों, निदेशकों, अधिकृत हस्ताक्षरियों और प्रबंधकों का नाम, पता, पैन तथा हैसियत।											

	(7) दिल्ली वैट अधिनियम की धारा 2 (1) (जैडए) के अंतर्गत परिभाषित संबंधित पक्षों के साथ बिक्री कारोबार, खरीद कारोबार, और लेनदेन में लागू इनपुट कर क्रेडिट सहित, उनका नाम, पता, टीआईएन और अन्य ब्यौरा।	
	(8) लेखा परीक्षा अवधि के लिए लेखा परिक्षी द्वारा धारा 16 के अंतर्गत अपनाई गई कंपोजिशन स्कीम का ब्यौरा, यदि कोई हो।	
ग.	सीएसटी अधिनियम के अंतर्गत संबंधित जानकारी (पंजीकरण प्रमाण पत्र के अनुसार)	
	(1) दिल्ली से बाहर व्यापारी के व्यापार के अतिरिक्त स्थान का पूरा पता और टीआईएन (यदि किसी राज्य में परीक्षी (ऑडिटी) का एक से अधिक व्यापार का स्थान हो, तो ऐसे सभी स्थानों का ब्यौरा दें)	
	(2) व्यापार गतिविधियों का स्वरूप	ट्रेडिंग / मैन्युफैक्चरिंग / अन्य (उल्लेख करें)
	(3) फार्म सी के प्रति खरीद के लिए पात्रता हेतु पंजीकरण प्रमाण पत्र में निर्दिष्ट वस्तुएं एवं वस्तुओं की श्रेणी, खरीद के प्रयोजन सहित।	
	(4) व्यापारी द्वारा विनिर्मित या संसाधित वस्तुएं	
	(5) कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी	

घ.	अन्य अधिनियमों के अंतर्गत संबंधित जानकारी	
	(1) केंद्रीय उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत ईसीसी नंबर, यदि कोई हो।	
	(2) सेवाकर पंजीकरण संख्या, यदि कोई हो।	
	(3) डीजीएफटी द्वारा दिया गया आयात निर्यात कोड, यदि कोई हो।	
	(4) कंपनी अधिनियम के अंतर्गत दी गई पंजीकरण संख्या, यदि कोई हो।	
	(5) कोई अन्य पंजीकरण	

## 2. व्यापार संबंधित जानकारी

(क)	(1) क्या दिल्ली कार्यालय के लिए पृथक लेखा बहियां रखी गई हैं। (यदि हां तो लेखा परीक्षित तुलन पत्रक और लाभ एवं हानि खाता; और यदि नहीं तो स्व-साक्ष्यांकित तल पट (ट्रायल बैलेंस) संलग्न करें)	हां / नहीं				
	(2) लेखे कम्प्यूटर सिस्टम पर तैयार किए गए हैं या मैनुअल आधार पर।					
	(3) लेखा बहियों की सूची					
	(4) क्या समुचित मात्रात्मक स्टॉक रजिस्टर रखा गया है।					
	(5) यदि उपरोक्त (4) का उत्तर 'हां' है, तो क्या तत्संबंधी आधार पर स्टॉक का मूल्यांकन किया गया है।					
	(6) यदि उपरोक्त (4) का उत्तर 'नहीं' है तो वित्तीय वर्ष के अंत में स्टॉक की गणना की पद्धति और तरीका					
ख	व्यापार गतिविधियां संक्षेप में					
ग	व्यापार संबंधी जिन्सों का ब्यौरा (पांच प्रमुख वस्तुएं)	क्र स	दिल्ली जीटी ओ का प्रतिश त	केंद्रीय जीटी ओ का प्रतिश त	दिल्ली वैट का प्रतिश त	सीएस टी का प्रतिशत
		1				
		2				
		3				
		4				
		5				
घ	व्यापारी का पता जिस पर लेखा बहियां रखी जाती हैं।					
ङ	(1) प्रयुक्त किए गए अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का नाम और संस्करण					
	(2) अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर में परिवर्तन, यदि कोई हो					
	(3) क्या लेखों का रखरखाव पूर्णकालिक स्टाफ द्वारा किया जाता है अथवा					



	अंशकालिक लेखाकार द्वारा अथवा लेखांकन व्यवसायी द्वारा?						
च	लेखांकन पद्धति	अक्रूवल / कैश / हाईब्रिड					
छ	स्टॉक के मूल्यांकन की पद्धति	एफआईएफओ / एलआईएफओ / औसत / अन्य (उल्लेख करें)					
ज	लेखा परीक्षा अवधि के दौरान निम्नांकित महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए।	परिवर्तन का संक्षिप्त विवरण					
	(i) स्टॉक के मूल्यांकन की पद्धति में परिवर्तन						
	(ii) लेखांकन प्रणाली में परिवर्तन						
	(iii) उत्पाद की किस्म में परिवर्तन						
	(iv) नई व्यापार गतिविधि						
	(v) अन्य परिवर्तन, यदि कोई हो। (कृपया उल्लेख करें)						
झ	क्या लेखा परीक्षा अवधि या उसके किसी हिस्से में दिल्ली वैट अधिनियम, आयकर अधिनियम, वित्त अधिनियम या किसी अन्य राजस्व अधिनियम के अंतर्गत कोई विशेष लेखा परीक्षा/सर्वेक्षण/निरीक्षण/छापा आदि कार्रवाई हुई? यदि 'हां' तो अनुलग्नक के रूप में संक्षिप्त टिप्पणी करें और दिल्ली वैट/सीएसटी की अतिरिक्त देयता पर प्रभाव, यदि कोई हो, का उल्लेख करें।						
ञ	व्यापार का स्वरूप (कृपया जो लागू हो, उसके अनुरूप एक या अधिक बाक्सों में निशान लगाएं)						
	मैन्युफैक्चर		रेस्टोरेंट		पुनर्विक्रेता		थोक व्यापारी
	खुदरा व्यापारी		आयातक		निर्यातक		निर्माण ठेकेदार
	पेट्रोलियम व्यापारी		किराया खरीद		शराब व्यापारी		जॉब वर्कर
	लीजिंग व्यापार		इस्तेमाल का अधिकार		आउटडोर कैटरर / बैंक्वेट हाल रेस्टोरेंट		
	सेवा प्रदाता (कृपया उल्लेख करें)	कैजुअल ट्रेडर					
	अन्य (कृपया उल्लेख करें)						
ट	व्यापार का स्वरूप (कृपया उचित बॉक्स में निशान लगाएं)						

554 DG/13-5

	एकल व्यापारी	हिंदू अविभाजित परिवार	भागीदारी	प्राइवेट लिमिटेड कंपनी	पब्लिक लिमिटेड कंपनी
	न्यास		सहकारी समिति		अन्य (उल्लेख करें)
	एसोसिएशन / क्लब / सोसायटी				
ठ	लेखा परीक्षा अवधि के अंतिम दिन नियोजित कार्यशील पूंजी (चालू आस्तियों और चालू देयताओं के बीच अंतर)			रुपये (लाख में)	
3	लेखा परीक्षा अवधि के दौरान रखे गए बैंक खाते (खातों) का ब्यौरा				
	क्र सं	बैंक का नाम	शाखा बीएसआर संख्या (यदि बीएसआर कोड ज्ञात न हो तो शाखा का पता लिखें)	खाता संख्या (संख्याएं)	क्या खाते को अन्य राज्य गतिविधियों के लिए प्रचालित किया गया।

## भाग - 3

दिल्ली वैट अधिनियम और केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम के अंतर्गत दाखिल की गई विवरणियों का ब्यौरा

क्र.स.	कर अवधि	ई-फाइलिंग की देय तारीख	ई-फाइलिंग की तारीख	हार्ड फाइल की तारीख	कापी करने देय	हार्ड फाइल की तारीख	कापी करने
1							
2							
3							
4							
5							
6							
7							
8							
9							
10							
11							
12							

## भाग -4

## 4-क दिल्ली वैट अधिनियम के अंतर्गत कारोबार की गणना

क्र. स.		विवरणियों के अनुसार	लेखा परीक्षा के दौरान निर्धारित अनुसार	अंतर	खामियां दर्शाने वाला अनुलग्नक
1	बिक्री का सकल कारोबार (कर योग्य और छूट संबंधी बिक्री, खेप का मूल्य/शाखा अंतरण और जॉब वर्क प्रभारों सहित) (कार्य अनुबंध के मामले में, बिक्री अनुबंध में शामिल श्रम, सेवाएं और भूमि मूल्य सहित सकल मूल्य)				4-1
2	केंद्रीय बिक्री कर				5-1
3	दिल्ली वैट के अंतर्गत कारोबार (1-2)				4-2
4	आउटपुट कर की गणना (कृपया भाग 4 ग देखें)				4-3
5	आउटपुट कर में समायोजन				4-3
6	निवल आउटपुट कर (4(+)/(-)5)				
7	इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी)				4-4
8	आईटीसी में समायोजन				4-4
9	निवल आईटीसी (7(+)) / (-)8)				
10	निवल कर देय (6-9)				4-5
11	जोड़ें : देय ब्याज				4-5
12	जोड़ें : देय अर्थदंड राशि				4-5
13	घटाएं : स्रोत पर काटा गया कर (प्रमाण पत्र द्वारा विधिवत समर्थित)				4-5

14	घटाएं : जमा किया गया कर				4-5
15	घटाएं : सीएसटी देयता के प्रति समायोजित राशि				4-5
16	घटाएं : लिया गया रिफंड				
17	राशि देय/(-) फालतू (10+11+12-(13 से 16))				
18	लेखा परीक्षा के दौरान अदा की गई राशि				

## 4-ख

दिल्ली वैट अधिनियम के अंतर्गत छूट प्राप्त बिक्री

क्र. सं.		विवरणियों के अनुसार	लेखा परीक्षा के दौरान निर्धारित अनुसार	अंतर	खामियां दर्शाने वाला अनुलग्नक
1	दिल्ली वैट अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निर्दिष्ट वस्तुएं				
2	सीएसटी अधिनियम की धारा 5 (3) उपान्तिक (पैनल्टीमेट) निर्यात (यदि उसी रूप में हो)				
3	कार्य अनुबंधों के निष्पादन में शामिल श्रम एवं सेवा प्रभार				4-8
4	पूँजीगत सामान की बिक्री, यदि कोई हो।				
5	दिल्ली वैट की पांचवीं अनुसूची में निर्दिष्ट व्यापारी				
6	अन्य (उल्लेख करें)				
	क.				
	ख.				

4-ग

## आउटपुट वैट की गणना

क्र. स	वस्तुओं का स्वरूप / वस्तुओं की श्रेणी (प्रमुख 10)	विवरणियों के अनुसार		लेखा परीक्षक के अनुसार				अंतर
		दिल्ली वैट कारोबार	आउटपुट कर	कर की लागू दर	अनुसूची की सम्बद्ध प्रविष्टि	दिल्ली वैट कारोबार	आउटपुट कर	
1								
2								
3								
4								
5								
6								
7								
8								
9								
10								

## भाग-5

पांच-क केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम के अंतर्गत कारोबार की गणना

क्र. स.	विवरण	विवरणियों के अनुसार	लेखा परीक्षा के दौरान निर्धारित अनुसार	अंतर	खामियां दर्शाने वाला अनुलग्नक
1	बिक्री का सकल कारोबार (कर योग्य और छूट सबंधी बिक्री, खेप का मूल्य/शाखा अंतरण और जॉब वर्क प्रभारों सहित) (कार्य अनुबंध के मामले में : बिक्री अनुबंध में शामिल श्रम, सेवाएं और भूमि मूल्य सहित)				4-1

554D6/13-6

	सकल मूल्य)				
2	दिल्ली वैट के अंतर्गत कारोबार				4-2
3	केंद्रीय बिक्री (1-2)				5-1
4	भाड़ा, डिलीवरीज़, बीमा या संस्थापना की लागत, विशेष रूप से प्रभारित लेकिन कारोबार में शामिल				5-2
5	निर्धारित अवधि के भीतर सीएसटी अधिनियम के अंतर्गत वापस की गई वस्तुओं का मूल्य				5-2
6	वसूल किया गया केंद्रीय बिक्री कर, यदि केंद्रीय कारोबार में शामिल हो				5-2
7	साधारण व्यापार पद्धतियों के अनुसार मंजूर और केंद्रीय कारोबार में शामिल नकदी डिस्काउंट				5-2
8	ऐसे कार्य अनुबंधों के लिए जॉब वर्क, श्रम एवं सेवाएं प्रभार, जो बिक्री के अंतर्गत नहीं आते लेकिन केंद्रीय कारोबार में शामिल हैं।				5-2
9	निवल केंद्रीय कारोबार (3-4-5-6-7-8)				
10	सीएसटी अधिनियम की धारा 5(1) के अंतर्गत भारत से बाहर निर्यात				5-3
11	सीएसटी अधिनियम की धारा 5(2) के अंतर्गत आयात के दौरान बिक्री				5-3
12	सीएसटी अधिनियम की धारा 5(3) के अंतर्गत				5-3

	एच फार्म के प्रति उपान्तिम (पैनल्टीमेट) बिक्री				
13	सीएसटी अधिनियम की धारा 6 क के अंतर्गत एफ फार्म के प्रति स्टॉक/शाखा अंतरण				5-3
14	सीएसटी अधिनियम की धारा 6(2) के अंतर्गत ई-1 और ई-2 फार्मों के प्रति बिक्री				5-3
15	सीएसटी अधिनियम की धारा 6(3) के अंतर्गत राजनयिक मिशनों और संयुक्त राष्ट्र आदि को बिक्री				5-3
16	सीएसटी अधिनियम की धारा 8(5) के अंतर्गत छूट प्राप्त बिक्री				5-3
17	धारा 9(1) के साथ पठित धारा 8(4) (क) के प्रावधानों के अंतर्गत कवर की गई बिक्री				5-3
18	दिल्ली से बाहर वस्तुओं की बिक्री (धारा 4)				5-3
19	छूट/कटौतियों का कुल योग (योग(10:18))				
20	अंतरराज्य बिक्री के कुल कर योग्य कारोबार का बकाया (9-19)				
<b>कारोबार का वर्गीकरण</b>					
21	सी फार्मों के प्रति घोषित वस्तुओं का कारोबार (धारा 8(4) के साथ धारा 14 को पढ़ते हुए)				5-4
22	अन्यथा बेची गई घोषित वस्तुओं का				5-4

	कारोबार (धारा 8(2) के साथ धारा 14 को पढ़ते हुए)				
23	सी फार्मों के प्रति घोषित से इतर बेची गई वस्तुओं का कारोबार [धारा 8(4) के साथ पठित धारा 8(1)]				5-4
24	अन्यथा बेची गई घोषित वस्तुओं से इतर वस्तुओं का कारोबार (धारा 8(2))				5-4
<b>सीएसटी की गणना</b>					
25	कुल सीएसटी देय (कृपया भाग 5(ख) देखें)				5-5
26	जोड़ें : देय ब्याज				5-5
27	जोड़ें : देय अर्थदंड				5-5
28	घटाएं : दिल्ली वैट क्रेडिट के प्रति समायोजित राशि				
29	घटाएं : जमा किया गया कर				5-5
30	राशि देय (25+26+27-28-29)				5-5
31	लेखा परीक्षा के दौरान अदा की गई राशि				

### 5 ख केंद्रीय बिक्री कर की गणना

क्र.सं	वस्तुओं का स्वरूप/ वस्तुओं की श्रेणी	विवरणियों के अनुसार		लेखा परीक्षक के अनुसार				अन्तर
		सीएसटी कारोबार	अदा किया गया कर	कर की लागू दर	डीवैट अनुसूची की सम्बद्ध प्रविष्टि	सीएसटी कारोबार	कर	
1								
2								
3								
4								
5								



## भाग-6

## 6.क. खरीद (स्थानीय और केन्द्रीय)

क्रम सं.		विवरणी के अनुसार	लेखा परीक्षा में आंकलित	अंतर	विभाग से प्राप्त घोषणा फार्म	कमियां दर्शाने वाला अनुलग्नक
1.	इनपुट टैक्स क्रेडिट के लिए पात्र पूंजीगत सामान की खरीद (कर सहित)					6-1
2.	इनपुट टैक्स क्रेडिट के लिए पात्र अन्य सामान की खरीद (कर सहित)					6-1
3.	इनपुट टैक्स क्रेडिट के लिए अपात्र अन्य सामान की खरीद					
4.	अपजीकृत/कंपोजिशन/आकस्मिक व्यापारी से अन्य सामान की खरीद					
5.	फार्म-सी के जरिए अंतर-राज्य खरीद					6-2
6.	फार्म-सी +ई-।/ई-।। के जरिए अंतर-राज्य खरीद					6-2
7.	फार्म-एफ के जरिए शाखा से सामान का स्थानांतरण					6-3
8.	फार्म-एच के जरिए स्थानीय खरीद					6-3
9.	फार्म-एच के जरिए केन्द्रीय खरीद					
10.	अन्य देशों से आयात					6-3
11.	फार्म-। के जरिए विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र द्वारा खरीद					6-3

554 DG/13-7

12.	फार्म-J के जरिए राजनयिकों द्वारा खरीद					6-3
13.	बिना किसी फार्म के अन्य अंतर-राज्य खरीद					6-4

6.ख. खरीद का ब्यौरा (कर सहित)

क्रम सं.	समान का प्रकार/श्रेणी	विवरण/रिकार्ड के अनुसार	लेखा परीक्षा के दौरान निर्धारित	अंतर	दुरुपयोग (अनिर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए निर्धारित (4) में से)	कमियां दर्शाने वाला अनुलग्नक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
क.	स्थानीय खरीद					6-1
1.	छूट प्राप्त सामान					
2.	अपंजीकृत/कंपोजिशन/आकस्मिक डीलरों से कर योग्य सामान					
3.	1 प्रतिशत की दर से कर योग्य					
4.	5 प्रतिशत की दर से कर योग्य					
5.	12.5 प्रतिशत की दर से कर योग्य					
6.	20 प्रतिशत की दर से कर योग्य					
7.	दिल्ली में फार्म-एच से खरीद					
8.	अन्य (विवरण दीजिए)					
ख.	केन्द्रीय खरीद					
1.	फार्म-सी के जरिए 2/3 प्रतिशत की दर से					6-2

2.	किसी भी अन्य फार्म के जरिए बिना केन्द्रीय बिक्री कर के					6-3
3.	बिना फार्म के 1 प्रतिशत की दर से					6-4
4.	बिना फार्म के 5 प्रतिशत की दर से					
5.	बिना फार्म के 12.5 प्रतिशत की दर से					
6.	बिना फार्म के 20 प्रतिशत की दर से					
7.	अन्य (ब्योरा दीजिए)					

## भाग-7

## घोषणा-फार्म के जरिए बिक्री

## 7.क. घोषणा-फार्मों के जरिए अंतर्राज्य बिक्री

क्रम सं.	फार्म के जरिए बिक्री/अंतरण	विवरण के अनुसार	डीवैट-51 के अनुसार	पहले उपलब्ध कराये गये फार्म	जमा किये जाने वाले लंबित फार्म	क्या देरी के मामले में विस्तार के लिए आवेदन किया है?
1.	फार्म-सी					
	क. तिमाही 1					
	ख. तिमाही 2					
	ग. तिमाही 3					
	घ. तिमाही 4					
	ड. कुल					

2.	फार्म ई-1/11						
	क.	तिमाही 1					
	ख	तिमाही 2					
	ग	तिमाही 3					
	घ	तिमाही 4					
	ड.	कुल					
3.	फार्म-एफ						
	क	तिमाही 1					
	ख	तिमाही 2					
	ग	तिमाही 3					
	घ	तिमाही 4					
	ड.	कुल					
4.	फार्म-एच						
	क	तिमाही 1					
	ख	तिमाही 2					
	ग	तिमाही 3					
	घ	तिमाही 4					
	ड	कुल					
5.	फार्म-I						
	क	तिमाही 1					
	ख	तिमाही 2					
	ग	तिमाही 3					
	घ	तिमाही 4					

	ड	कुल					
6.	फार्म—जे						
	क	तिमाही 1					
	ख	तिमाही 2					
	ग	तिमाही 3					
	घ	तिमाही 4					
	ड.	कुल					
7.	अन्य (ब्यौरा दीजिए)						
	क	तिमाही 1					
	ख	तिमाही 2					
	ग	तिमाही 3					
	घ	तिमाही 4					
	ड.	कुल					

## 7. ख. घोषणा—फार्मों के जरिए स्थानीय बिक्री

क्रम सं.	फार्म के बिक्री/अंतरण के जरिए	विवरण के अनुसार	डीवैट-51 के अनुसार	पहले उपलब्ध कराये गये फार्म	जमा किये जाने वाले लंबित फार्म	क्या देरी के मामले में विस्तार के लिए आवदेन किया है?
6.	फार्म—एच					
	क	तिमाही 1				

55406/13-8

	ख	तिमाही 2					
	ग	तिमाही 3					
	घ	तिमाही 4					
	ङ	कुल					
7.	अन्य (ब्यौरा दीजिए)						
	क	तिमाही 1					
	ख	तिमाही 2					
	ग	तिमाही 3					
	घ	तिमाही 4					
	ङ	कुल					

उपर्युक्त के संदर्भ में कोई भी कमी/प्रतिकूल टिप्पणियों को अनुलग्नक-7 में बताया गया है.

नोट :

1. मासिक डीलरों के मामले में फार्मों के इस्तेमाल के बारे में उपर्युक्त ब्यौरा मासिक आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा.
2. लेखा परीक्षक यह बात प्रमाणित करेगा कि वैधानिक फार्मों के इस्तेमाल के सभी नियम और शर्तें लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान पूरी कर ली गयी हैं.

## भाग-8

डी वेट अधिनियम की धारा 36-क के अंतर्गत स्रोत पर कर में कटौती

क्रम सं.		निर्धारित टीडीएस रिटर्न के अनुसार	लेखा परीक्षा के दौरान प्रदर्शित	अंतर	कमियाँ दर्शाने वाला अनुलग्नक
1.	लेखा परीक्षा अवधि के दौरान ठेका देने वाले द्वारा दिये गये ठेकों की राशि				8
2.	लेखा परीक्षा अवधि के दौरान ठेकेदार द्वारा दिये गये ठेकों की राशि				
3.	ठेकेदार द्वारा पूरे किये गये ठेकों की राशि				
4.	उप-ठेकेदार द्वारा पूरे किये गये ठेकों की राशि				
5.	ठेका देने वाले के रूप में स्रोत पर कर कटौती				
6.	ठेकेदार द्वारा स्रोत पर कर कटौती				
7.	समय से जमा टीडीएस				
8.	विलंब से जमा टीडीएस				

## भाग-9

## वित्तीय सारांश और विश्लेषण (सिर्फ दिल्ली संबंधी गतिविधियाँ)

(राशि हजार रुपयों में)

क्रम सं.	ब्यौरा	राशि (लेखा परीक्षा वाले साल के लिए)	राशि (लेखा परीक्षा वाले साल से पहले साल के लिए)	प्रेक्षण/टिप्पणियाँ (अगर कोई हो)
क	आमदनी			
क 1	बिक्री			
	i निर्माण ठेके (कुल राशि)			
	ii सामान के इस्तेमाल के अधिकार का अंतरण (पट्टे/किराये पर)			
	iii अन्य सामानों की बिक्री			
क 2	प्रदत्त सेवाएँ			
क 3	ब्याज सहित विविध आमदनी			
क 4	कुल आमदनी			
ख	व्यय			
ख 1	सामान का प्रारंभिक स्टॉक			
ख 2	कच्चे माल/स्टोर/ व्यापारिक सामान की			



	खरीद			
ख 3	इस्तेमाल होने वाले सामान की खरीद			
ख 4	काम के ठेके (सामान सहित)			
ख 5	मजदूरी के ठेके/काम			
ख 6	मजदूर और मजदूरी			
ख 7	अन्य विनिर्मित खर्च			
ख 8	वेतन			
ख 9	ब्याज और वित्तीय शुल्क			
ख10	विज्ञापन और व्यापार प्रोत्साहन खर्च			
ख11	प्रशासनिक, विपणन संबंधी और अन्य खर्च			
ख12	मूल्यहास			
ख13	कुल व्यय (ख1 : ख12 का जोड़)			
ख14	घटाएं : अंतिम स्टॉक			
ख15	शुद्ध व्यय (ख13-ख14)			
ख16	व्यवसाय से सकल लाभ [क1-(ख1से ख7)+ख14]			
ख17	शुद्ध लाभ (क4-ख15)			
ग	पूंजी और देयताएं			
ग1	लगाई गई पूंजी एवं जमा			

554DG/13-9

ग2	अधिक अवधि वाले कर्ज (बैंकों से टर्म कर्ज सहित)			
ग3	कम अवधि वाले कर्ज (बैंक से ओवरड्राफ्ट तथा नकद जमा सीमा सहित)			
ग4	सामान के लिये ऋणदाता			
ग5	व्यय के लिए ऋणदाता			
ग6	अन्य (अलग से स्पष्ट करें कि क्या कुल देयताओं के 10 प्रतिशत से अधिक है)			
ग7	कुल पूंजी/देयताएं			
घ	आस्तियां			
घ1	स्थिर आस्तियां			
	प्रारंभिक अधिशेष			
	जोड़ें : अतिरिक्त			
	घटाएं : बिक्री/समायोजन			
	घटाएं : मूल्यहास			
	अंतिम अधिशेष			
घ2	निवेश			
घ3	नकदी और सावधि जमा सहित बैंक अधिशेष			
घ4	छुटपुट ऋण			
घ5	उपलब्ध स्टॉक			
घ6	अन्य चालू आस्तियां ,			

घ7	ऋण और अग्रिम			
घ8	अन्य (अलग से स्पष्ट करें कि क्या कुल आस्तियों के 10 प्रतिशत से अधिक है)			
घ9	आस्तियों का जोड़			
ड.	वित्तीय अनुपात			
ड.1	जी.पी. अनुपात = जीपी (बी16) : बिक्री (क1)			
ड.2	एन.पी. अनुपात=एनपी (बी17): बिक्री +सेवा (क1+क2)			
ड.3	स्टॉक (बी14) : बिक्री (क1)			
ड.4	ऋणकर्ता (घ4) : बिक्री (क1)			
ड.5	ऋणदाता (ग4) : खरीद (ख2+ख3+ख4)			
ड.6	खरीद (ख2+ख3+ख4) : बिक्री (क1)			
ड.7	शुद्ध लाभ (बी17) : नियोजित राशियां (ग1+ग2)			

उपर्युक्त के संबंध में कोई भी कमी/प्रतिकूल टिप्पणियां अनुलग्नक-9 में दी गयी हैं.

## भाग—10

## प्रश्नावली

(जहां जरूरी हो अलग पन्ना इस्तेमाल करें)

क्रम सं.	प्रश्न	उत्तर : हां/नहीं /लागू नहीं /टिप्पणी	अगर उत्तर प्रतिकूल हो तो अपनी राय संसलग्नक सं.... में दें.
1.	सकल कारोबार (जीटीओ)		स्थानीय बिक्री के लिए '4-1' और केन्द्रीय बिक्री के लिए '5-1'
	क क्या बिक्री संबंधी जीटीओ में डीवैट अधिनियम की धारा 2 (1)(जेडसी) में परिभाषित लेखा परीक्षा अवधि के सभी लेनदेन जैसे शाखा स्थानांतरण, आस्तियों की बिक्री आदि और ब्रांड, सद्भावना, प्रतीक चिन्ह जैसी अमूर्त चीजें शामिल की गयी हैं?		
	ख क्या बिक्री मूल्य की गणना डीवैट अधिनियम की धारा 2 (1)(जेडडी) के आधार पर की गयी है.		
	ग क्या बिक्री मूल्य में पिछली तारीख से छूट या प्रोत्साहन या रियायत या इनाम आदि को शामिल किया गया है.		
	घ क्या बिक्री मूल्य में खरीदार या तृतीय पक्ष से विक्रेता को सीधे तौर पर या अप्रत्यक्ष रूप से जाने वाली मुद्रा-लागत जैसी किसी बहाव को शामिल किया गया		

		है?		
	ड.	क्या पैकिंग सामग्री की कीमत शामिल की गयी है या नहीं?		
	च	क्या निर्माण ठेके के मामलों में बिक्री कारोबार में श्रम और सेवाओं को शामिल किया गया है और कारोबार का निर्धारण डीवैट नियम 3 और 4 के आधार पर किया गया है?		
	छ	सामान के इस्तेमाल के अधिकार के हस्तांतरण के मामले में क्या बिक्री कारोबार का आंकलन डीवैट नियमावली के नियम 4 के अनुसार किया गया है?		
	ज	क्या निर्धारित अवधि के बाद सामान की वापसी की अवधि को नहीं घटाया गया है?		
	झ	क्या जीटीओ में दिल्ली के अंदर प्रधान/एजेंटों को हस्तांतरण को शामिल किया गया है?		
2	केन्द्रीय बिक्री			
2क	केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम की धारा 5(1)के तहत निर्यात			5-3
	क	क्या आपने जहाज/एयरलाइंस के बिलों और सीमाशुल्क निपटान दस्तावेजों से सामान के वास्तविक निर्यात की वैधता जांच ली है?		
	ख	क्या निर्यात से प्राप्त होने वाली राशि मिल गयी है? अगर नहीं, तो निर्यात तिथि से 180 दिनों से अधिक के बकाया भुगतानों का ब्यौरा दें.		

554 DG/13-10

2ख	सीएसटी अधिनियम की धारा 5(2) के तहत आयात के सिलसिले में बिक्री		5-3
	क	क्या आपने सीएसटी अधिनियम की धारा 5 (2) के प्रथम चरण के तहत बिक्री के समर्थन में बिक्री-करार और अन्य दस्तावेजों की जांच कर ली है.	
	ख	सीएसटी अधिनियम की धारा 5 (2) के द्वितीय चरण के तहत आने वाली हाई सीज सेल के मामलों में क्या आपने सीमाशुल्क प्राधिकरण में जमा कराए गये करारों और अन्य दस्तावेजों की जांच कर ली है? और ऐसे मामलों में क्या सीमा शुल्क का भुगतान हाई सीज खरीदार डीलर द्वारा किया गया है?	
2ग	सीएसटी अधिनियम की धारा 5(3) के तहत अनंतिम निर्यात (फार्म-एच)		5-3
	क	क्या सीएसटी अधिनियम की धारा 5(3) के अंतर्गत उल्लिखित शर्तों का अनुपालन किया गया है? अगर नहीं, तो विवरण दें. क्या उसी रूप में सामान निर्यात किया गया?	
	ख	क्या निर्यात/आयात आदेश की प्राप्ति के बाद निर्यातकर्ता को सामान सप्लाय कर दिया गया है? (विवरण फार्म एच से सत्यापित किया जा सकता है )	
	ग	क्या विधिवत भरा हुआ और उपयुक्त अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित फार्म-एच आकलन प्राधिकारी को उपलब्ध कराया गया है?	

2घ	सीएसटी अधिनियम की धारा 6ए के अंतर्गत शाखा अंतरण (फार्म एफ)		5-3
	क क्या ऐसा कोई मामला आपकी नजर में आया है जिसमें लेखा परीक्षण करने वाले ने प्रत्यक्ष केन्द्रीय बिक्री/पूर्वनिर्धारित बिक्री को शाखा अंतरण भेजा है? अगर हां तो विवरण दें.		
	ख शाखा/एजेंट आदि को अंतरित समान के मूल्यनिर्धारण की विधि क्या है?		
	ग क्या कई महीनों के दौरान किये गये स्टॉक अंतरण के लिए एक ही फार्म-एफ है?		
	घ क्या विधिवत भरा हुआ और हस्ताक्षर किया गया फार्म-एफ आकलन अधिकारी को उपलब्ध कराया गया है?		
	ड क्या शाखाएं/एजेंट आदि को केन्द्रीय पंजीकरण प्रमाणपत्र में शामिल किया गया है?		
2ड.	सीएसटी अधिनियम की धारा 6(2) के अंतर्गत उत्तरवर्ती बिक्री (ई-1 बिक्री)		5-3
	क क्या सामान के यातायात के दौरान वस्तुएं वास्तव में बेची गयीं? संक्षिप्त टिप्पणी दें.		
	ख क्या उत्तरवर्ती बिक्री से पहले सामान अनावश्यक रूप से लम्बी अवधि के लिए ट्रांसपोर्टर के पास था ?		
	ग क्या एक ही जीआर/आरआर के साथ खरीदा गया सामान बाद में कई ग्राहकों को बेचा गया है? (यानी क्या पहले		

		विक्रेता से प्राप्त एक ही ई-1/ई-11 के लिए बाद के खरीदारों की ओर से कई सी-फार्म प्राप्त हुए हैं?) अगर हां, तो दस्तावेजों के हस्तांतरण की विधि बताएं.		
	घ	क्या विधिवत् भरे हुये तथा हस्ताक्षर किये हुये फार्म ई-1/ई-11, तथा फार्म 'सी' आकलन अधिकारी को उपलब्ध कराये गये हैं ?		
2च		सीएसटी अधिनियम की धारा 6(3) के अंतर्गत राजनयिकों आदि को बिक्री		5-3
	क	क्या आकलन प्राधिकारी को फार्म-जे उपलब्ध कराया गया है?		
2छ		सीएसटी अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत दिल्ली के बाहर बिक्री		5-3
	क	ऐसी बिक्री जो किसी एक राज्य के अंतर्गत हुई है वह दूसरे राज्यों के बाहर है. इसलिए क्या उस राज्य में वैट का भुगतान कर दिया गया है, जहां कि बिक्री को राज्य के भीतर बताया गया है, या उस राज्य के कारोबार में शामिल किया गया है? अगर नहीं, तो ब्यौरा दें.		
2ज		फार्म-सी के जरिए बिक्री		7-1
	क	क्या कई तिमाहियों के दौरान अंतर-राज्य बिक्री के लिए एक ही फार्म-सी है?		
	ख	क्या विधिवत् भरा हुआ और हस्ताक्षर किया हुआ फार्म-सी आकलन प्राधिकारी को उपलब्ध कराया गया है?		



3	दिल्ली वैट उत्पादन कर की गणना		4-3
	क	क्या जितने कारोबार का दावा किया गया है वह डीवैट अधिनियम की धारा 6 के अनुसार है?	
	ख	क्या बेचे गये सामान पर लागू होने वाली कर की दर डीवैट अधिनियम की धारा-4 के तहत विभिन्न अनुसूचियों के अनुसार हैं?	
	ग	क्या बिक्री पर कर के रूप में एकत्र समूची राशि खजाने में जमा करा दी गयी है और कोई अनुचित फायदा नहीं लिया गया है?	
	घ	क्या कर की गणना डीवैट अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार है?	
4	दिल्ली वैट उत्पादन कर में समायोजन		4-3
	क	डीलर द्वारा आउटपुट टैक्स में समायोजन संबंधी जो दावा किया है क्या वह डीवैट अधिनियम की धारा 8 के अनुसार है?	
	ख	सामान की वापसी की वजह से आउटपुट टैक्स में समायोजन के मामले में क्या सामान बिक्री की तारीख से छह महीने की अवधि में वापस किया गया?	
	ग	क्या आउटपुट टैक्स में समायोजन के लिए डीवैट नियमावली के नियम 45 के अंतर्गत क्रेडिट नोट जारी किये गये हैं?	
5	इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दावा		4-4
	क	उन तमाम खरीदों के लिए जिनपर डीलर ने आईटीसी का दावा किया है, क्या डीलर के पास डीवैट अधिनियम की धारा	

554 DG/13-11

		50(2) के अनुसार टैक्स इनवॉइस हैं?		
	ख	जिन खरीदों पर आईटीसी का दावा किया गया है, क्या वे डीवैट अधिनियम की धारा 9(1) और 9(2) के अनुसार दावे की हकदार हैं और डीवैट अधिनियम के साथ संलग्न अनुसूची-सात में उल्लिखित नहीं हैं?		
	ग	खरीदी गयी जिन चीजों पर आईटीसी दावा किया गया है, क्या वे डीवैट अधिनियम की धारा 9(1) के निर्देशों के अनुसार बिक्री की पात्र हैं?		
	घ	जिसकी लेखा परीक्षा की जा रही है उसकी अचल संपत्ति में शामिल वस्तुओं पर आईटीसी का दावा किया गया है?		
	ड.	क्या आपने यह सुनिश्चित किया है कि उन पूंजीगत वस्तुओं (कैपिटल गुड्स) पर आईटीसी का दावा नहीं किया गया है जिनका उपयोग केवल छूट के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं को बनाने में किया जाता है?		
	च	जहां डीलर द्वारा खरीदा गया सामान आंशिक रूप से अनुच्छेद 9(1) में उल्लिखित बिक्री के लिए और आंशिक रूप से अन्य कार्यों के लिए उपयोग में लाया जा रहा हो, क्या वहां डीवैट अधिनियम की धारा 9(4) के साथ पठित नियम 6 के तहत आईटीसी की राशि आनुपातिक रूप से घटा ली गयी है?  <i>इस तरह की स्थिति में विसंगति उत्पन्न होने के कारण और राशि के आकलन के</i>		

		बारे में विस्तृत नोट दें		
	छ	अगर किसी डीलर ने सामान खरीदा हो और सामान धारा 9(6) के प्रावधानों के अनुसार हस्तांतरित हुआ हो, तो क्या वहां आईटीसी की राशि डीवैट अधिनियम की धारा 6 और 7 के अनुसार वापस की गयी? इस तरह की विसंगति के मामले में अनुलग्नक और इस तरह की राशि के आकलन की विधि के बारे में विस्तृत टिप्पणी करें.		
	ज	क्या धारा 2(1)(एफ) में परिभाषित पूंजीगत सामान पर डीवैट अधिनियम की धारा 9(9) के अनुसार टैक्स क्रेडिट का दावा किया गया है? अगर आईटीसी अलग-अलग मामलों में यह राशि 1,000 रुपये से अधिक हो तो पूंजीगत सामान तथा सामान की लागत, कर दावा की गयी राशि का बिल-वार ब्यौरा दें		
	झ	क्या पूंजीगत सामान खरीदने पर कर की राशि पर डीवैट अधिनियम की धारा 9(9) का उल्लंघन करते हुए मूल्यहास का दावा किया गया है?		
	ञ	क्या निर्दिष्ट अवधि से पहले पूंजीगत सामान की बिक्री/अंतरण के मामले में आईटीसी को वापस किया गया है?		
	ट	क्या कार्य अनुबंध व्यापारियों द्वारा दावे किये गये आईटीसी की गणना अधिनियम के परिशिष्ट की सातवीं सूची का पालन करते हुए की गई है ।		
6	इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की वापसी			4-4

	क	क्या खरीदे गये सामान की वापसी/निरस्त की स्थिति में आईटीसी वापस किया गया है?		
	ख	क्या छूट आदि पर डीवैट अधिनियम की धारा 51 के साथ पठित नियम 45 के अनुसार आईटीसी की वापसी की गयी है?		
	ग	जहां एक डीलर द्वारा सामान खरीदा गया हो और बाद में इस सामान का धारा 9(1) के अनुसार आंशिक रूप से बिक्री में और आंशिक रूप से अन्य कार्यों में इस्तेमाल किया गया हो तो ऐसी स्थिति में क्या आईटीसी की राशि को धारा 10(2) तथा डीवैट नियमावली के नियम 6 के अनुसार उसी अनुपात में कम किया गया है. इस तरह के बदलाव के लिए अपनाये गये तरीके और ऐसी राशि के आकलन के बारे में अनुलग्नक में विस्तृत नोट दीजिए.		
	घ	जहां किसी डीलर ने सामान खरीदा हो और बाद में सामान धारा 10(3) के प्रावधानों के तहत अंतरित किया गया हो, तो क्या टैक्स क्रेडिट की राशि डीवैट नियम 6 और 7 के अनुसार प्रतिवर्तित की गयी है? ऐसे प्रतिवर्तन के लिए अपनाई गयी विधि और मूल्यांकन राशि के बारे में विस्तृत टिप्पणी अनुलग्नक में दीजिए.		
	ड.	क्या खोए हुए/नष्ट हुए सामान के बारे में डीवैट नियमावली के नियम 7 के तहत आईटीसी प्रत्यावर्तित किया गया है?		

	च	क्या डीवैट अधिनियम की अनुसूची-7 में निर्दिष्ट वस्तुओं के लिए आईटीसी का दावा किया गया है?		
7.	कर की गणना			4-5
	क	क्या कर की संगणन के लिए की गयी गणनाएं सही हैं?		
	ख	क्या क्रेडिट का दावा टीडीएस प्रमाणपत्रों के आधार पर किया गया है; और क्या ऐसा प्रमाणपत्र नियम 59(2) के आधार पर जारी किया गया है; और क्या कर के भुगतान का चालान प्रमाणपत्र के साथ संलग्न किया गया है?		
	ग	क्या आपने कर के भुगतान के प्रमाण के तौर पर विधिवत प्राप्त किये गये डीवैट-20 की प्रतियों का सत्यापन किया है?		
	घ	अतिरिक्त कर भुगतान की स्थिति में क्या राशि को अगली कर अवधि के लिए/से सही अग्रानीत/अग्रेषित किया गया है?		
8	निर्माण ठेकों में लगे डीलरों के लिए			10-1
	क	प्रमुख ठेकों पर परीक्षण-जांच के तौर पर अमल करें. क्या आपको कोई प्रतिकूल अनुच्छेद नजर आया है?		
	ख	किसी नियत कर अवधि के लिए कारोबार की गणना के तरीके के बारे में विस्तृत टिप्पणी दें.		
	ग	क्या कारोबार को नकदी आधार पर हिसाब में लिया गया है या व्यापारिक आधार पर? क्या आयकर के लिए भी		

554 DG/13-12

		यही विधि अपनायी गयी है?		
	घ	ईपीसी ठेकों के मामले में क्या परियोजना के अनुसार लेखा/विवरण रखा गया है?		
	ड.	दिल्ली में सभी ठेके देने वालों की सूची ठेके के प्रकार, ठेके की कुल लागत, लेखा परीक्षा अवधि के दौरान किये गये कार्य और हर ठेके में अनुबंध के अनुसार सामान के रूप में संपत्ति के हस्तांतरण (अनुबंधित करने या सामान के वितरण या किसी अन्य समय) का ब्यौरा उपलब्ध कराएं.		
	च	क्या विवरण में प्रदर्शित कारोबार में हाई-सीज ट्रांजेक्शन, अंतर-राज्य बिक्री और छूट प्राप्त कारोबार (यानी श्रम और सेवा कर) समेत दिल्ली में पूरे किये गये सभी ठेकों की कुल लागत शामिल है?		
	छ	एएमसी ठेकों के मामले में संबंधित कर-अवधियों के लिए कारोबार की गणना की विधि क्या है?		
	ज	क्या लेखा परीक्षा कराने वाले ने ऐसे कारोबार पर दिल्ली/अन्य राज्य में सीएसटी का भुगतान किया है जिसको लेकर डीवैट फार्म में अंतर-राज्य बिक्री का दावा किया गया है?		
	झ	क्या दिल्ली में स्थित या दिल्ली से बाहर तृतीय पक्ष से खरीदे गये और दिल्ली के ठेकों में इस्तेमाल किये गये सामान पर छूट का दावा किया गया है? अगर हां, तो पूरा विवरण दें.		
	ञ	क्या मजदूरी और सेवा शुल्क की गणना तात्कालिक आधार पर की गयी और था		

		वास्तविक आधार पर की गयी; और आप दावे के सही होने के बारे में संतुष्ट हैं? इस तरह की संगणना के बारे में कर-अवधि के आधार पर एक टिप्पणी भी संलग्न करें.		
	ट	क्या मजदूरी और सेवा शुल्क की गणना नियम 3(2) के अंतर्गत निर्दिष्ट प्रतिशत आधार पर की गयी है और क्या ऐसी संगणना करते समय सही प्रतिशत का उपयोग किया गया?		
	ठ	क्या उप-ठेकेदार को ठेका सौंपा गया और क्या उप-ठेकेदार के कारोबार के लिए भी छूट का दावा किया गया? अगर हां, तो डीवैट विवरणी में इसके तरीके के बारे में एक टिप्पणी दें.		
	ड	क्या कम्पोजिशन स्कीम का विकल्प अपनाने वाले उप-ठेकेदारों से प्राप्त बिलों पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया गया? क्या बिलों से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि उप-ठेकेदार ने कम्पोजिशन का विकल्प दिया है?		
	च	क्या डीवैट नियमावाली के नियम 3(2) में परिभाषित अंतर्गत प्राप्त/क्रय किये गये श्रम और सेवा शुल्क के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा किया गया है?		
9		कंपोजिट ठेकों/लेनदेन के कारोबार में लगे डीलरों के लिए		10-2
	क	क्या लेखा परीक्षा करवाने वाला मुख्य रूप से (निर्माण ठेकों के अलावा) सामग्री और सेवाओं से संबंधित कंपोजिट कांट्रेक्ट, जैसे मंडप बनाना, इवेंट		

		मैनेजमेंट, आउटडोर कटिंग आदि के ठेके लेता है? अगर हां, तो पूरा विवरण दें.		
	ख	कारोबार को सामान और सेवाओं में बांटने का तरीका क्या है? क्या आप इससे संतुष्ट हैं? विस्तृत टिप्पणी दीजिए.		
10		पट्टा लेने के कारोबार में लगे डीलरों के लिए (सामान के इस्तेमाल के अधिकार का हस्तांतरण)		10-3
	क	क्या लीज करार के अंतर्गत आने वाले सामान पर उसी दर से टैक्स लिया जाता है जैसा डीवैट अधिनियम की विभिन्न अनुसूचियों के अंतर्गत संबंधित वस्तुओं पर लगता है?		
	ख	अगर अमूर्त वस्तुओं के बारे में अधिकार हस्तांतरण का समझौता दिल्ली में किया गया है तो क्या डीवैट अधिनियम के तहत समुचित वैट का भुगतान किया गया है?		
	ग	क्या आपने परीक्षण-जांच के तौर पर लीज करार की जांच की है? किसी भी प्रतिकूल सामग्री के बारे में जानकारी दीजिए.		
11		धारा 16 के अंतर्गत कम्पोजिशन स्कीम अपनाने वाले डीलर (कंपोजिशन डीलर)		10-4
	क	क्या डीलर ने कम्पोजिशन स्कीम के लिए विधिवत आवेदन किया है?		
	ख	क्या कम्पोजिशन डीलर ने धारा 16 के तहत और संबंधित अधिसूचनाओं में दी गयी सभी शर्तें पूरी कर ली हैं? अगर		



		नहीं, तो टैक्स की गणना सामान्य आधार पर करें (यानी धारा 11 के तहत और धारा 3 के साथ).		
	ग	क्या डीलर ने सिर्फ रिटेल इनवाइस ही दी है और कहा है "कम्पोजिशन डीलर, वैट की वसूली न की जाए"		
	घ	क्या डीलर ने अपनी कर योग्य सभी खरीद पंजीकृत डीलरों से ही की हैं?		
	ड	क्या डीलर ने अपनी विवरणियों में डीवैट-30 के साथ में खरीद का ब्यौरा दिया है?		
12	केन्द्रीय बिक्री कर की संगणना			5-5
	क	क्या बेचे गये सामान पर लागू टैक्स की दर सीएसटी अधिनियम की धारा 8(1) और 8(2) के सहित डीवैट अधिनियम की धारा 4 के अनुसार है?		
	ख	क्या बिक्री पर कर के रूप में वसूल पूरी राशि सरकारी खजाने में जमा करायी गयी है?		
	ग	क्या कर का संघटन सीएसटी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार है?		
13	केन्द्रीय खरीद			6-1
	क	क्या व्यापारी ने अंतर्राज्यीय खरीद फार्म 'सी' के आधार पर की है ।		
		1. क्या उपरोक्त वस्तुएं खरीद की तारीख के समय उसके केन्द्रीय आर.सी. में शामिल हैं		

55406/13-13

		2. क्या जिस मकसद से वस्तुएं खरीदी गयी हैं उन्हें उसके केन्द्रीय आर.सी में शामिल किया गया है?		
		3. क्या ऐसी खरीद का इस्तेमाल बिक्री (स्थानीय और अंतर-राज्य) के लिए किया जाता है और उसपर समुचित टैक्स का भुगतान किया गया है? निर्माण ठेकों से संबंधित खरीद में विशेष सावधानी की जरूरत है.		
		4. क्या ऐसी खरीद का उपयोग उस उद्देश्य के लिए किया जाता है जिसके लिए वे खरीदी गयी हैं?		
	ख	अगर लेखा परीक्षी ने किसी फार्म के जरिए अंतर-राज्य खरीद की है तो क्या उसने सीएसटी अधिनियम या उसके अंतर्गत निर्मित नियमों और निर्धारित शर्तों का पालन किया है?		
	ग	डीवैट विभाग से अग्रिम घोषणा फार्म :		
		1. क्या डीलर ने विभाग से अग्रिम घोषणा फार्म प्राप्त कर लिया है?		
		2. अगर हां, तो क्या उसने घोषणा से संबंधित तिमाही के अंत से तीन महीने की अवधि में फार्म-2बी जमा कराया है?		
14	स्रोत पर आयकर की कटौती			8-1
	क	क्या लेखा परीक्षी डीवैट अधिनियम की धारा 36-ए के अंतर्गत निर्माण ठेकों पर (वार्षिक रखरखाव ठेकों समेत) टीडीएस कटाने के लिए उत्तरदायी है?		

	ख	अगर हां, तो क्या उसने निर्धारित समय के भीतर टैन के लिए आवेदन कर दिया है?		
	ग	क्या उसने टीडीएस काटने में चूक की है?		
	घ	क्या उसने टीडीएस की राशि समय पर जमा कराई है?		
	ड.	क्या आपने यह सुनिश्चित किया है कि टीडीएस कटवाने वाले ने टीडीएस और टैन का उल्लेख करते हुए सरकारी खजाने में टैक्स जमा करा दिया है; और यह भी कि, उसने इसे आउटपुट टैक्स देयता के विरुद्ध तो समायोजित नहीं किया है?		
	च	क्या उसने समय पर टीडीएस प्रमाणपत्र जारी किये हैं?		
	छ	क्या उसने वार्षिक विवरणी समय पर जमा कराई है?		
15	लेखा बहियों का रख-रखाव			10-5
	क्या लेखा परीक्षित्री ने कम्प्यूटर पर या हस्तनिर्गित निम्नलिखित रिकार्ड रखा है?			
	क	वैट खाता	नियम 42(1)(क)-डीवैट नियम	
	ख	डीवैट-30	नियम 42(1)(ख)-डीवैट नियम	
	ग	डीवैट-31	नियम 42(1)(ग)-डीवैट नियम	

	घ	स्टॉक रजिस्टर	नियम 42(1)(घ)- डीवैट नियम		
	ड.	फार्म सं. 2 (सी फार्म का रजिस्टर)	नियम 5(8) सीएसटी (दिल्ली) नियम		
	च	फार्म नं. 5 (एफ फार्म का रजिस्टर)	नियम 8(5) सीएसटी (दिल्ली) नियम		
	छ	फार्म नं. 4 (अंतर-राज्य बिक्री का रजिस्टर)	नियम 13 सीएसटी (दिल्ली) नियम		
	ज	फार्म सं. 6 (सामान का अंतरण करने वाले द्वारा जारी फार्म एफ)	नियम 8(12) सीएसटी (दिल्ली) नियम		
	झ	फार्म सं. 7 (सामान का अंतरण कराने वाला)	नियम 9(1) सीएसटी (दिल्ली) नियम		
16	सूचना फाइल करना और विविध				10-6
	क	क्या आर.सी. में दर्ज व्यक्तियों का विवरण कुछ वैध दस्तावेज, जैसे पैन, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि से मेल खाता है?			

ख	क्या लेखा परीक्षिती विभाग के अंतर्गत अलग-अलग वार्डों में दो या अधिक "व्यावसायिक नामों" से पंजीकृत है? अगर हां, तो विवरण दें भले ही कोई पंजीकरण पहले ही रद्द हो चुका हो.		
ग	क्या लेखा परीक्षिती ने एक ही परिसर में जिससे वह संबंधित है अलग-अलग "व्यावसायिक नामों" से दो या अधिक पंजीकरण कराए हैं? अगर हां, तो ब्यौरा दें, भले ही कोई पंजीकरण पहले ही रद्द हो चुका हो.		
घ	क्या डीवैट अधिनियम की धारा 21 के तहत स्थानीय आर.सी. तथा केन्द्रीय आर.सी. में बदलाव की स्थिति में यथासमय सूचना भेज दी गयी है?		
ङ	क्या लेखा परीक्षा की तारीख को संशोधन संबंधी कोई आवेदन निस्तारण के लिए लंबित है जिसका लेखा परीक्षा अवधि या उसके किसी अंश पर असर पड़ सकता है?		
च	क्या विभिन्न कर अवधियों के लिए धारा 11 के अंतर्गत देय टैक्स, धारा 16 के अंतर्गत देय कंपोजिशन टैक्स और धारा 36-ए के तहत टीडीएस निर्धारित समय पर जमा कराया गया है?		
छ	क्या विभिन्न खंडों के लिए डीवैट:51 निर्धारित समय की भीतर जमा कराया गया है?		
ज	क्या लेखा परीक्षिती ने जमानत जमा कराई है जिसकी अवधि एक निश्चित समय सीमा में खत्म हो जाती है, जैसे		

55406/13-14

		बैंक गारंटी, सावधि जमा रसीद आदि; क्या इन जमानतों का समय रहते नवीकरण करा लिया गया है?		
	झ	क्या धारा 49 के तहत लेखा परीक्षा रिपोर्ट समय पर भेजी गयी है?		
	ञ	क्या डीलर को कर संबंधी कोई ऐसी देनदारी चुकता करनी है जिसे आपत्ति/अपील दाखिल करने या किसी अन्य कारण से स्थगित नहीं किया गया है? अगर हां, तो विवरण दें.		
	ट	क्या लेखा परीक्षित्री ने डीवैट अधिनियम या सीएसटी अधिनियम के किसी अन्य प्रावधानों का उल्लंघन किया है?		
	ठ	क्या आप सामान्य तौर पर इस बात से संतुष्ट हैं कि लेखा परीक्षित्री ने वैट/सीएसटी कानूनों की अनुपालना की है?		

स्थान :

हस्ताक्षर :

दिनांक :

मोहर

नाम :

नामांकन/सदस्य संख्या

यह अधिसूचना वित्त वर्ष 2012-13 से लागू होगी । अधिसूचना के तहत लेखा परीक्षा रिपोर्ट जमा कराने के लिए उत्तरदायी व्यापारी वित्त वर्ष 2012-13 के लिए इस रिपोर्ट को 15 नवम्बर, 2013 को या इससे पहले जमा करेंगे ।

प्रशांत गोयल, आयुक्त, मूल्य संबंधित कर

## DEPARTMENT OF TRADE AND TAXES

## NOTIFICATION

Delhi, the 11th February, 2013

**No. F. 7(420)/Policy/VAT/2011/1203-1213.**—In exercise of the Powers conferred under Section 49 read with Rule 42A of the Delhi Value Added Tax Rules, 2005 and Section 70 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004 (Delhi Act No. 3 of 2005), I, Prashant Goyal, Commissioner, Value Added Tax, Government of National Capital Territory of Delhi hereby notify the procedure and form for filing Audit report as under :

1. Every registered dealer liable to get his accounts audited as per Section-49 of the Act read with Rule 42-A of the Rules shall furnish audit report in Form AR-I within seven-and-a-half months from the end of the year in duplicate. This notification is applicable only for dealers with a gross turnover of Rs. 10 crore (rupees ten crore) and above in 2011-12 or in any of the subsequent financial years. Dealers exclusively dealing in commodities listed in the First Schedule appended to the Act and the dealers with 100% export turnover shall be exempted from furnishing audit report under this notification.
2. **Form AR- I**

**Form AR- I****Audit report under section 49 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004****INSTRUCTIONS**

*(Please read the instructions carefully before preparing the report)*

- 1 This form shall be used mandatorily by the auditor for submitting report u/s 49 of the Delhi Value Added Tax Act, 2004.
- 2 This Audit report is divided in Twelve Parts. All Parts of this report, which are mandatory for all Auditees, contain the following information: -

Sl. No.	PART	PARTICULARS	Relevant Amount incorporating observations
1	Part 1	Audit report, verification and certification, Summary of additional tax liability, adverse comments and recommendations to the dealer	1
2	Part 2	General information about the dealer	2

3	<b>Part 3</b>	Details of returns furnished under the Delhi VAT Act and Central Sales Tax Act	3
4	<b>Part 4</b>	Computation of turnover under Delhi VAT Act	4-1 to 4-5
5	<b>Part 5</b>	Computation of turnover under Central Sales Tax Act	5-1 to 5-5
6	<b>Part 6</b>	Purchases (Local and Central)	6-1 to 6-4
7	<b>Part 7</b>	Sales against Declaration Forms	7
8	<b>Part 8</b>	Tax Deduction at Source	8
9	<b>Part 9</b>	Financial Summary and Analysis for Delhi	9
10	<b>Part 10</b>	Questionnaire	10
11	<b>Part 11</b>	Details of non-receipt of information and records required to conduct Audit	-
12	<b>Part 12</b>	Annexures forming part of Part 1 to Part 10	-

No format for the Annexures has been specified. The Auditor shall give complete and exhaustive details and information in respect of every observation/deficiency;

- 3 The auditor shall ensure that all provisions of the Delhi VAT Act and Rules made thereunder including the notifications, circulars, advance rulings under Section 85 and determinations issued by the Commissioner (unless overruled by the Higher Courts) are complied with ;
- 4 If the books of accounts are audited under the provisions of the Income Tax Act, 1961, then the Auditor should obtain the certified Financial Statement and Audit Report under Income Tax Act. In case books of account are audited under any other Act then the Auditor should obtain the certified Financial Statement audited under that Act and the Audit Report as well; No part of the certifications in Part 1 shall be modified. If Auditor has to give qualified report, it should be given in Para 4 of Part 1 along with the reasons for the same;
- 5 If the dealer has multi-State activities, then Trial Balance, Trading Account and Profit & Loss Account in relation to the business activities in the National Capital Territory of Delhi, authenticated by the dealer, shall be attached;
- 6 Wherever prescribed documents are not made available to the Auditor or same are insufficient and incomplete, then the tax liability is to be computed as required by law on the basis of documents available. The differential possible tax liability on account of non-receipt of documents including statutory declarations and debit notes should be shown in Part 4, Part 5 and Part 11 of this report.



- 7 Where dealer is required to maintain the records about the sales, purchases, imports and exports under the Central Excise Act, 1944, the Customs Act, 1962 or under the State Excise Act or any other Act/Regulations, the Auditor should invariably correlate the details of sales, purchases, imports and exports disclosed under the said Acts and disclosed under Delhi VAT Act, 2004. Any material difference noticed should be reported at Para 5 of Part 1 accordingly;
- 8 The auditor, while conducting the audit or preparing the report, shall not make any distinction between inadvertent/clerical/bonafide mistakes/errors on the one part and intentional/ malafide defaults on the other part. However, the later cases shall be reported at Para 5 of Part 1 of the Report;
9. Where due to certain practical difficulties, certain figures are not ascertainable; an appropriate note can be given along with reasons below that field and in Part 1 of the Audit Report;
10. Do not leave any field or box blank. In case any field or box is not applicable, enter '0' (zero) in numerical fields and write 'N.A' for 'Not Applicable' in other fields;
11. The Auditor shall certify all the Parts and Annexures. Auditor should put his seal and sign on every page of the Audit Report;
12. The Auditor shall enclose the following Enclosures along with Audit report:-  
Enclosures with the Audit Report:-

- |  |         |
|--|---------|
| 1. Statutory Audit Report with complete set of annexures including that of Related Party Disclosures as required under Accounting Standard 18.   | Yes/No* |
| 2. Tax Audit Report under the Income Tax Act, 1961 with complete set of annexures including that of Related Party Disclosures as required under Accounting Standard 18.                  | Yes/No* |
| 3. Audited Balance Sheet, Profit & Loss Account/ Income and Expenditure Account  | Yes/No* |
| 4. In case dealer is having multi-State activities, the Trial Balance, Trading Account and Profit & Loss Account for the business activities in the National Capital Territory of Delhi. | Yes/No* |

\* Strike out whichever is not applicable.

Place

Date:

Seal

Signature:

Name:

Enrolment / Membership No.

554DG/13-15

**AUDIT REPORT UNDER SECTION 49  
OF THE DELHI VALUE ADDED TAX ACT, 2004**

**EXECUTIVE SUMMARY**

Name & Address  
of the Dealer

TIN

FROM

WARD

PERIOD UNDER  
AUDIT

TO

- |   |   |
|---|---|
| 1. Default in furnishing of DVAT Returns<br>During the Audit Period                 | indicate number                                 |
| 2. Default in furnishing CST Returns during the<br>Audit Period                     | indicate number                                 |
| 3. Understatement of Local Turnover   | Rs.....   |
| 4. Understatement of Local Taxable Turnover   | Rs.....   |
| 5. Default in computation of DVAT   | Rs.....   |
| 6. Understatement of Central Turnover   | Rs.....   |
| 7. Understatement of Central Taxable Turnover                                       | Rs.....   |
| 8. Default in computation of CST  | Rs.....   |
| 9. Default in complying with TDS provisions   | Rs.....<br>(None/Occasional/Significant)        |
| 10. Mis-utilization of Central Declaration Forms, if any                            | (category-wise value i.e.<br>C/F/H/I/J) Rs..... |
| 11. Maintenance of books of accounts and records                                    | Good/Average/Poor                               |
| 12. Give rating to the conduct of the dealer<br>Towards compliance of DVAT/CST Laws | Excellent/Good/Average/Poor                     |

Place

Date:

Seal

Signature:

Name:

Enrolment/Membership No.



2. I/We have carried the audit of the dealer in respect of under mentioned Central Sales Tax/VAT returns.

Sr. No.	Particulars												
1.	Auditee is required to file returns (Tick appropriate Box)	Monthly						Quarterly					
2.	Verification of the Returns for the period under Audit	FROM						TO					
3.	Auditee has filed all returns as per given tax period	Yes/No											
4.	Auditee has paid tax liabilities in time	Yes/No											

3. Subject to my/our remarks about non-compliance, shortcomings and deficiencies in the returns filed and tax liability computed and presented in respective Parts and Para 4 of this Part, I/We, to the best of my/our knowledge and belief, certify that,
- I/We have obtained all the information and explanations, which to the best of my/our knowledge and belief, were necessary for the purposes of the audit;
  - I/We have read and followed the Instructions for conducting the audit and preparation of this audit report;
  - The books of account and other sales tax/VAT related records and registers maintained by the dealer alongwith sales and purchase invoices as also Cash Memos and other necessary documents are sufficient for computation of tax liability under the DVAT and CST Acts;
  - I/We have verified all returns (including the TDS returns) under the DVAT Act and CST Act filed by the Auditee for the period under audit.
  - The gross turnover of sales and purchases determined, includes all the transactions of sales and purchases concluded during the period under audit in accordance with the provisions of the DVAT Act and the CST Act;
  - The adjustment to turnover of sales and/or purchases is based on entries made in the books of accounts during the period under audit and the same are supported by necessary documents;
  - The deductions claimed from the gross turnover of sales and other adjustments thereto including deduction on account of goods return, adjustments on account of discounts as also debit/credit notes issued or received on account of other reasons, are supported by necessary documents and are in conformity with the provisions of the relevant Act;

- (h) As per the information made available for the purpose of audit, the tax leviable on sales is properly computed by applying rate of tax specified in the Delhi VAT Act and/or Schedules appended to that Act, advance rulings under Section 85 and determination orders passed by the Commissioner (unless overruled by the Higher Courts).;
- (i)  
(ii) Wherever the dealer has claimed sales against the declarations or certificates; except as given in Part 7, duplicate copies of all such declarations and certificates are produced before me/us and the same are in conformity of the provisions related thereto;
- (j) The records related to the receipt and dispatch of goods are correct and properly maintained;
- (k) The tax invoices in respect of sales are in conformity with the provisions of aw;
- (l) The Auditee has maintained separate bank account for carrying its activities in the National Capital Territory of Delhi. The Bank statements have been examined by me/us and they are fully reflected in the books of accounts;
- (m) The dealer is conducting his business from the place/places of business declared by him as his principal place of business/and the additional place of business; and
- (n) Due professional care has been exercised while carrying the audit, and based on my observations of the business processes and practices, stock of inventory and books of account maintained by the dealer, I/we fairly conclude that,
- (i) dealer is dealing in the commodities mentioned in the Part 2 of this report;
- (ii) sales tax/VAT related records of the dealer reflect true and fair view of the volume and size of the business for period under audit.
- (o) The Auditee/Dealer, if opted for Composition Scheme under Section 16, has fulfilled all the necessary conditions of the Scheme and has complied with the requirements of the Scheme.

4. The above report is subject to the following qualifications:-

- (a) \_\_\_\_\_
- (b) \_\_\_\_\_
- (c) \_\_\_\_\_
- (d) \_\_\_\_\_
- (e) \_\_\_\_\_

55406/13-16

5. Summary of the additional tax liability or additional refund due to the dealer on audit for the year are as follows:-

Sl.No.	Particulars	Amount as per Return (in Rs.)	Correct amount determined in audit as per accounts (in Rs.)	Difference (in Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Output tax payable under the Delhi Value Added Tax Act, 2004			
2.	Tax payable under the Central Sales Tax Act, 1956			
3.	Input Tax Credit claimed			
4.	Ineligible Input Tax Credit reversed			
5.	Net Input Tax Credit available for adjustment			
6.	Refund claimed			
7.	(a) Input Tax Credit adjusted against Value Added Tax (b) Input Tax Credit adjusted against Central Sales Tax			
8.	Any other item (specify)			

The tax liability of the dealer for the Assessment Year \_\_\_\_\_ is arrived at as below:-

Act	Tax Due (after all adjustments)	Tax Paid (in Rs.)	Balance / Excess
(1)	(2)	(3)	(4)
Delhi Value Added Tax			
Central Sales Tax			

The dealer has been advised to \*

- (i) File revised returns for the period / month ..... [See rule 29]
- (ii) Pay differential tax liability of Rs.....with interest of Rs.....and penalty of Rs.....
- (iii) Reverse Input Tax Credit of Rs..... in the Monthly Return of .....
- (iv) Claim refund of Rs.....

\* (Note: Strike out whichever is not applicable)

Place  
Date:

Seal

Signature:  
Name:  
Enrolment / Membership No.

**PART - 2****GENERAL INFORMATION ABOUT THE DEALER'S BUSINESS ACTIVITIES***[Use separate sheet wherever required]*

1. GENERAL INFORMATION												
A.		FROM					TO					
	(1) Period under the Audit											
	(2) Accounting year followed by Auditee											
	(3) Registration Number under CST Act											
	(4) TAN for Tax deduction at source issued under the DVAT Act											
	(5) Permanent Account Number under Income Tax Act, 1961											
	(6) Tax payers Identification Number (TIN) under DVAT Act, 2004.											
B.	RELATED INFORMATION UNDER VAT ACTS											
	(1) Name of the Dealer as appearing on the Registration Certificate	M/s										
	(2) Trade Name (If any)	M/s										
	(3) Address and area details of the Business (Also give if there is change in the Address during the audit period)											
	(4) Telephone/ Mobile Nos. & email											
	(5) Complete address and area details of Additional place of business and godowns in Delhi											
	(6) Name, address, PAN and status of persons having interest in the business, Directors, Authorized Signatories and Managers in Delhi											
	(7) Name, Address, TIN, and other details of Related Parties as defined u/s 2(1)(za) of the DVAT Act including the turnover of sales, turnover of purchases, and input tax credit involved in transactions with these parties											
	(8) Details of Composition Scheme u/s 16 opted by the Auditee, if any, for the audit period											

C.	<b>RELATED INFORMATION UNDER THE CST ACT (as per Registration Certificate)</b>	
	(1) Complete address and TIN of the additional place of business of the dealer outside Delhi [If auditee has more than one place of business in a State, give addresses of all such places]	
	(2) Nature of business activities	Trading / Mfg. / Others (Specify)
	(3) Goods and class of goods specified in R.C., eligible for purchase against Form C, along with the purpose of purchase	
	(4) Details of goods manufactured or processed by the dealer	
(5) Any other significant information		
D.	<b>RELATED INFORMATION UNDER OTHER ACTS</b>	
	(1) ECC No. under Central Excise Act, if any	
	(2) Service Tax Registration No., if any	
	(3) Import Export Code given by DGFT, if any	
	(4) Registration No. under the Companies Act, if any	
(5) Any other Registration		
<b>2. BUSINESS RELATED INFORMATION</b>		
A.	(1) Whether separate books of account are maintained for Delhi Office  [If yes, attach audited Balance Sheet and Profit & Loss A/c; and if No, attach self-attested Trial Balance]	Yes / No
	(2) Whether accounts are maintained on computer system or manual basis	
	(3) List of books of accounts	



	(4) Whether proper quantitative stock register is maintained																															
	(5) If the answer of (4) is 'Yes', whether the stock is valued on the basis of same																															
	(6) If the answer of (4) is 'No', method and manner of calculation of stock at the end of the financial year																															
B.	Business Activities in brief																															
C.	Commodity dealt in (5 major commodities)	<table border="1"> <thead> <tr> <th>Sl. No</th><th>% Delhi GTO</th><th>% Central GTO</th><th>% Delhi Vat</th><th>% CST</th></tr> </thead> <tbody> <tr><td>1.</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td>2.</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td>3.</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td>4.</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr><td>5.</td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr> </tbody> </table>	Sl. No	% Delhi GTO	% Central GTO	% Delhi Vat	% CST	1.					2.					3.					4.					5.				
Sl. No	% Delhi GTO	% Central GTO	% Delhi Vat	% CST																												
1.																																
2.																																
3.																																
4.																																
5.																																
D.	Address of the Place of Business of the dealer where books of account are kept																															
E.	[i] Name and version of accounting software used																															
	[ii] Change in accounting software, if any																															
	[iii] Whether accounts are maintained by full time permanent staff or by part-time accountant or by accounting professional?																															
F.	Method of accounting	Accrual / Cash / Hybrid																														
G.	Method of valuation of stock	FIFO / LIFO / Average / Other (specify)																														
H.	The following are the major changes made during the period of audit	Short description of change																														
	(i) Change in method of valuation of stock																															
	(ii) Changes in the accounting system																															
	(iii) Change in product line																															
	(iv) New business activity																															
	(v) Other changes, if any [please specify]																															

554DG/13-17

<b>I.</b>	Whether any special audit/survey/ inspection/ seizure etc. has been carried out covering the period of audit or part thereof under the DVAT Act, Income Tax Act, Finance Act or any other Revenue Act? If yes, give brief note by way of Annexure and impact, if any, on the additional DVAT/CST liability							
<b>J.</b>	<b>Nature of business (Please tick one or more appropriate boxes, as applicable)</b>							
	Manufacture		Restaurant		Reseller		Wholesaler	
	Retailer		Importer		Exporter		Works contractor	
	Petroleum Dealer		Hire Purchase	Liquor Dealer			Job worker	
	Leasing business		Right to Use	Outdoor Caterer/Banquet Hall/Restaurant				
	Service Provider (Please Specify)			Casual Trader				
	Other (Please Specify)							
<b>K.</b>	<b>Constitution of the Business (Please tick the appropriate)</b>							
	Proprietary	HUF	Partnership		Pvt. Ltd Co.	Public Ltd Co		
	Trust	Cooperative Society			Others (Please specify)			
			Association/Club/Society					
<b>L.</b>	Working capital employed (Difference between current assets and current liabilities) as on the last day of the period under audit				Rs. (in lakh)			
<b>Particulars of the Bank Account(s) maintained during the period under Audit</b>								
	Sr. No.	Name of the Bank	Branch BSR Number (Give Branch Address, if BSR Code not known)	Account Number(s)	Whether the account is operated for other State activities			

PART - 3DETAILS OF RETURNS FURNISHED UNDER THE DELHI VAT ACT AND  
CENTRAL SALES TAX ACT

Sl. No.	Return Period	Due Date of Filing	Date of Filing	Due Date for Filing of Third Copy	Date of Filing of Third Copy
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					
6.					
7.					
8.					
9.					
10.					
11.					
12.					

**PART - 4****4.A. COMPUTATION OF TURNOVER UNDER DVAT ACT**

Sl. No.		As per Returns	As determined during Audit	Difference	Annexure showing discrepancies
1	Gross Turnover of Sales [including taxable and exempted sales, value of consignment/ branch transfers and job work charges] [In case of works contract, gross consideration including labour, services & land price included in sale agreement]				4-1
2	Central Sales				4-1
3	Turnover under DVAT (1 - 2)				4-2
4	Computation of Output Tax [Please Refer to Part 4.C]				4-3
5	Adjustment in Output Tax				4-3
6	Net Output Tax [4 (+)/(-) 5]				
7	Input Tax Credit (ITC)				4-4
8	Adjustment in ITC				4-4
9	Net ITC [7 (+)/(-) 8]				
10	Net Tax Payable (6 - 9)				4-5
11	Add: Interest payable				4-5
12	Add: Penalty payable				4-5
13	Less: Tax deducted at source (duly supported by certificates)				4-5
14	Less: Tax deposited				4-5
15	Less: Amount adjusted against CST liability				4-5

Sl. No.		As per Returns	As determined during Audit	Difference	Amount showing discrepancies
16	Less: Refund availed				
17	Amount Payable/(-) Excess [10 + 11 + 12 - (13 to 16)]				
18	Amount paid during Audit				

#### 4.B. Exempted Sales under the Delhi VAT Act

Sl. No.		As per Returns	As determined during Audit	Difference	Amount showing discrepancies
1	Goods specified in First Schedule of DVAT Act				
2	Penultimate Export (if in exactly same form) u/s 5(3) of the CST Act.				
3	Labour and service charges involved in the execution of works contracts				
4	Sale of capital goods, if any				
5	Dealers specified in Fifth Schedule of DVAT Act				
6	Other (specify)				
	a				
	b				

554 DG/13-18

## 4.C. Computation of Output VAT

Sl. No.	Name of Goods (Class of Goods (Up to 10))	As per Returns		As per Auditor				Difference
		Output VAT Turnover	Output Tax	Applicable Rate of Tax	Relevant entry of Schedule	Output VAT Turnover	Output Tax	
1								
2								
3								
4								
5								
6								
7								
8								
9								
10								

**PART - 5****5.A. COMPUTATION OF TURNOVER UNDER CENTRAL SALES TAX ACT**

Sl. No.	Details	As per Returns	As determined by the Audit	Difference	Amounts from the Audit
1	Gross Turnover of Sales [including taxable and exempted Transactions like value of consignment/ branch transfers and job work charges] [In case of works contract: Gross consideration including labour, services & land price included in sale agreement]				
2	Turnover under DVAT				
3	Central Sales (1 - 2)				
4	Cost of Freight, deliveries, insurance or Installation, separately charged but included in the Turnover				
5	Value of goods returned under CST Act within the prescribed period				
6	Central Sales Tax collected, if included in the Central Turnover				
7	Cash Discount allowed according to ordinary trade practices and included in Central Turnover				
8	Job work, labour & Services charges for works contracts not amounting to sales but included in the Central Turnover				
9	Net Central Turnover (3 - 4 - 5 - 6 - 7 - 8)				

Sl. No.		As per Returns	As determined during Audit	Difference	Annexure showing discrepancy
10	Export outside India u/s 5(1) of the CST Act				54
11	Sales in the course of import u/s 5(2) of the CST Act				54
12	Penultimate Sale against H Forms u/s 5(3) of CST Act				54
13	Stock/Branch Transfer against F Forms u/s 6A of the CST Act				54
14	Sales against E-I & E-II Forms u/s 6(2) of CST Act				54
15	Sales to diplomatic missions & U.N. etc. u/s 6(3) of the CST Act				54
16	Exempted Sales u/s 8(5) of the CST Act				54
17	Sales covered under proviso to Section 9 (1) Read with Section 8(4) (a)				54
18	Sales of Goods Outside Delhi (Section 4)				54
19	Total of Exemptions/ Deductions [Sum (10:18)]				
20	Balance Total Taxable turnover of inter State Sales (9 - 19)				
	<b>Break-up of Turnover</b>				
21	Turnover of Declared Goods against C Forms [Sec. 8(4) read with Sec. 14]				54
22	Turnover of Declared Goods sold otherwise [Sec. 8(2) read with Sec. 14]				54



Sl. No.		As per Returns	As per Audited Statement	Difference	
23	Turnover of other than Declared Goods sold against C Forms [Sec. 8(4) read with Sec. 8(1)]				
24	Turnover of other than Declared Goods sold otherwise [Sec. 8(2)]				
<b>Computation of CST</b>					
25	Total CST Payable [Please Refer to Part 5.B]				
26	Add: Interest Payable				
27	Add: Penalty Payable				
28	Less: Amount adjusted against DVAT credits				
29	Less: Tax Deposited				
30	Amount Payable [25 + 26 + 27 - 28 - 29]				
31	Amount paid during Audit				

### 5.B. Computation of Central Sales Tax

Sl. No.	Nature of Goods (Class of Goods)	As per Returns		As per Audited				Difference
		CST Turnover	Tax Paid	Applicable Rate of Tax	Relevant Turnover of DVAT Schedule	CST Turnover	Tax	
1								
2								
3								
4								
5								

554 DG/13-19

**PART - 6****6.A. PURCHASES (LOCAL AND CENTRAL)**

Sl. No.	Description	Form	Amount	Difference	Particulars	Amount
1	Purchase of Capital Goods eligible for input tax credit (including tax)					(1.1)
2	Purchase of other goods eligible for input tax credit (including tax)					(1.2)
3	Purchase of other goods not eligible for input tax credit					
4	Purchase of other goods made from unregistered/composition/casual dealers					
5	Inter-State Purchases against Form C					(1.3)
6	Inter-State Purchases against Forms C + E-I/E-II					(1.4)
7	Transfer of goods from branch, etc. against Form F					(1.5)
8	Local purchases against Form H					(1.6)
9	Central purchases against Form H					
10	Import from other countries					(1.7)
11	Purchases by SEZ, etc. against Form I					(1.8)
12	Purchases by diplomats, etc. against Form J					(1.9)
13	Other Inter-State Purchases, without any Form					(1.10)

**6.B. Break-up of Purchases (Including Tax)**

Sl. No.	Nature of Goods/ Class of Goods	As per Returns Received	As determined by the Audit	Difference	Tax collected from the dealer concerned for the purposes	Total amount for the purposes
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
<b>A</b>	<b>Local Purchases</b>					
1	Exempted goods					
2	Taxable goods from unregistered/casual/ composition dealers					
3	Taxable @ 1%					
4	Taxable @ 5%					
5	Taxable @ 12.5%					
6	Taxable @ 20%					
7	Purchase in Delhi against Form H					
8	Others (Please specify)					
<b>B</b>	<b>Central Purchases</b>					
1	Against Form C @ 2/3%					
2	Against any other Form without CST					
3	Without Forms @ 1%					
4	Without Forms @ 5%					
5	Without Forms @ 12.5%					
6	Without Forms @ 20%					
7	Others (Please specify)					

**PART - 7****SALES AGAINST DECLARATION FORMS****7A. INTER-STATE SALES AGAINST DECLARATION FORMS**

Sr. No.	Sales in inter-state against form	As per Return	As per D.V.A. Form	Forms Already furnished	Forms pending for submission	Whether reported or extension in case of delay
1	Form C					
	a	Quarter 1				
	b	Quarter 2				
	c	Quarter 3				
	d	Quarter 4				
	e	Total				
2	Form D-VIII					
	a	Quarter 1				
	b	Quarter 2				
	c	Quarter 3				
	d	Quarter 4				
	e	Total				
3	Form F					
	a	Quarter 1				
	b	Quarter 2				
	c	Quarter 3				
	d	Quarter 4				
	e	Total				

S. No.	Sl. No.	Particulars	Actual Returns	As per D.V. & F.	Forms Already Submitted	Forms Pending for Submission	Remarks
4	Form 4						
	a	Quarter 1					
	b	Quarter 2					
	c	Quarter 3					
	d	Quarter 4					
	e	Total					
5	Form 5						
	a	Quarter 1					
	b	Quarter 2					
	c	Quarter 3					
	d	Quarter 4					
	e	Total					
6	Form 6						
	a	Quarter 1					
	b	Quarter 2					
	c	Quarter 3					
	d	Quarter 4					
	e	Total					
7	Others (Specify)						
	a	Quarter 1					
	b	Quarter 2					
	c	Quarter 3					
	d	Quarter 4					
	e	Total					

554 DG/13-20

**PART - 8****TAX DEDUCTION AT SOURCE U/S 36A OF DVAT ACT**

S. No.		As per TDS Return	As determined during audit	Difference	Amount showing discrepancy
<b>1</b>	Amount of contracts awarded as contractee during the audit period				
<b>2</b>	Amount of contracts awarded as contractor during the audit period				
<b>3</b>	Amount of contracts executed by contractor				
<b>4</b>	Amount of contracts executed by sub-contractor				
<b>5</b>	Tax deducted at source as contractee				
<b>6</b>	Tax deducted at source as contractor				
<b>7</b>	TDS deposited in time				
<b>8</b>	TDS deposited late				

### 7B. LOCAL SALES AGAINST DECLARATION FORMS

Sl. No.	Sales/Declarations against forms		As per Returns	As per Declaration	Forms already furnished	Forms pending for submission	Whether audited for extension in case of dealer
	Form II						
	a	Quarter 1					
	b	Quarter 2					
	c	Quarter 3					
	d	Quarter 4					
	e	Total					
	Office (Special)						
	a	Quarter 1					
	b	Quarter 2					
	c	Quarter 3					
	d	Quarter 4					
	e	Total					

Any discrepancy/ adverse remarks in respect of aforesaid, has been reported in  
Annexure 7

**Note:**

1. In case of monthly dealers, the above details regarding utilization of forms shall be provided month-wise.
2. The Auditor shall certify whether all terms & conditions for utilization of statutory forms have been fulfilled by the dealer during the audit period.

## PART - 9

## FINANCIAL SUMMARY AND ANALYSIS (DELHI ACTIVITIES ONLY)

(Amount in ,000)

S.No.	Particulars		Amount for the year ending (Date)	Amount for the year preceding (the year of audit)	Observations (Remarks if any)
<b>A</b>	<b>INCOME</b>				
A1	Sales				
	a	Works Contracts (Total consideration)			
	b	Transfer of right to use goods (Leasing/Hiring)			
	c	Other Sales of Goods			
A2	Services rendered				
A3	Miscellaneous Income including Interest				
A4	Total Income				
<b>B</b>	<b>Expenditure</b>				
B1	Opening Stock of Goods				
B2	Purchases of Raw Material/ Stores/Trading Goods				
B3	Purchases of Consumable				
B4	Works Contract (with Material)				
B5	Contracts for Labour/Job				
B6	Labour and Wages				
B7	Other Manufacturing Exp.				
B8	Salaries				
B9	Interest & Financial Charges				
B10	Advertisement and Business Promotion Expenses				
B11	Administrative, Marketing and Other Expenses				



S.No.	Particulars	Amount for the year ending (Rs.)	Amount for the year preceding (Rs.)	Observations Remarks (If any)
B12	Depreciation			
B13	Total Expenses [Sum (B1:B12)]			
B14	Less: Closing Stock			
B15	Net Expenses [B13 - B14]			
B16	Gross Profit of business [A1 - (B1 to B7) + B14]			
B17	Net Profit [A4 - B15]			
<b>C Capital &amp; Liabilities</b>				
C1	Capital employed & Reserves			
C2	Long Term Loans (including Term Loans from Banks)			
C3	Short term Loans (including Overdraft and Cash Credit limit from Banks)			
C4	Creditors for Goods			
C5	Creditors for Expenses			
C6	Others (Specify separately if exceeding 10% of the total liabilities individually)			
C7	Total of Capital/Liabilities			
<b>D Assets</b>				
D1	Fixed Assets			
	Opening Balance			
	Add: Additions			
	Less: Sale/Adjustments			
	Less: Depreciation			
	Closing Balance			

554DG/13-21

S. No.	Particulars	Amount (Rs. for each quarter) Amount	Amount (Rs. for the year preceding the year of audit) Year preceding the year of audit	(Closing Balance) Balance
D2	Investment			
D3	Cash & Bank Balances including Fixed Deposits			
D4	Sundry Debtors			
D5	Stock in hand			
D6	Other Current Assets			
D7	Loans & Advances			
D8	Others (Specify separately if exceeding 10% of the total Assets individually)			
D9	Total of Assets			
<b>Financial Ratios</b>				
E1	G.P. Ratio = G.P. (B16) : Sales (A1)			
E2	N.P. Ratio = N.P. (B17) : Sales + Service (A1+A2)			
E3	Stock (B14) : Sales (A1)			
E4	Debtors (D4) : Sales (A1)			
E5	Creditors (C4) : Purchases (B2+B3+B4)			
E6	Purchases (B2+B3+B4) : Sales A1)			
E7	Net Profit (B17) : Funds Employed (C1+C2)			

Any discrepancy/ adverse remarks in respect of aforesaid, has been reported in  
Annexure 9

**PART - 10**  
**QUESTIONNAIRE**

[use separate sheet wherever necessary]

Sl. No.	Question	Answer (Yes / No / NA / Not)	If Answer is Answered, Give Date/Time/Place of Answering No.
1	Name (In English) (FPO)		Date for Local Sale and S-I for Central Sale
a	Whether GTO of sales includes all transactions of sales concluded during the period of audit as defined u/s 2(1)(zc) of DVAT Act including branch transfers, sale of assets etc., sale of intangible goods, e.g., brands, goodwill, logo, etc.		
b	Whether the sale price has been calculated in terms of 2(1)(zd) of the DVAT Act		
c	Whether any ex post facto grant of discounts or incentives or rebates or rewards and the like included in the sale price?		
d	Whether the amount of money-value of any additional consideration flowing directly or indirectly from the buyer or the third party to the seller included in the sale price?		
e	Whether price of packing material has been included or not?		
f	In case of works contracts, whether labour & Services has been included in the turnover of sale and the turnover has been determined in accordance with Rules 3 and 4 of DVAT Rules?		
g	In case of transfer of right to use goods, whether the turnover of sale has been determined as per Rule 4 of the DVAT Rules?		
h	Whether return of goods beyond the prescribed period has not been deducted?		
i	Whether transfer to principals/agents within Delhi has been included in GTO?		

2. Central Sales			
2A. Exports as S(1) of the CST Act			53
a	Have you verified the genuineness of exports from Shipping Bills/Airway Bill and Customs Clearance Documents?		
b	Whether the proceeds of the exports have been realized? If not, give details of outstanding payments for more than 180 days from the date of export.		
2B. Sale in the course of Import as S(2) of the CST Act			54
a	Have you verified the sale agreements and other documents to support the sale in the course of import under first limb of section 5(2) of the CST Act?		
b	In case of High Seas Sale covered under second limb of section 5(2) of the CST Act, have you verified the sale agreements and other documents to be filed with the Customs Authority? Further, in such cases, whether the Customs Duty is paid by the high-seas purchasing dealers?		
2C. Transshipment Exports as S(3) of CST Act (Form H)			55
a	Whether conditions mentioned under section 5(3) of CST Act have been complied with? If not, specify the detail? Whether goods exported in the same form?		
b	Whether goods have been supplied to the exporter after receipt of export/import order? (details can be verified from Form H itself)		
c	Whether Forms H, duly filed and signed by appropriate authority, have been furnished to assessing authority?		
2D. Branch Transfers as 6A of the CST Act (Form E)			56
a	Have you come across with the cases where direct central sale/predetermined sale by the Auditee has been routed as branch transfers? If, yes, give details.		
b	What is method for valuation of goods which have been transferred to branches/agent, etc.?		

	c	Whether single Form F consists of stock transfers made during multiple months?		
	d	Whether form F duly filed and signed have been furnished to the assessing authority?		
	e	Whether the branches/agent, etc. have been included in the central registration certificate?		
24	Subsequent Sales u/s 6(2) of the CST Act (I-E sales)			5-3
	a	Whether goods are actually sold during the movement of goods? Give brief Note.		
	b	Whether goods were in the custody of transporter for unreasonable period before making of subsequent sale?		
	c	Whether a purchase, accompanied by single GR/RR, has been subsequently sold to multiple customers? (i.e., whether multiple C forms have been received from subsequent purchasers against a single E-I/E-II received from first seller?). If yes, specify the method of transfer of documents.		
	d	Whether Forms E-I/E-II and Forms C duly filed and signed have been furnished to AA?		
24	Sales to Diplomats, etc. u/s 6(3) of the CST Act			5-3
	a	Whether Form J have been furnished to assessing authority?		
24	Sales outside Delhi u/s 4 of the CST Act			5-3
	a	A sale, which is inside one State, is outside all other States. Therefore, whether State VAT in that respective State, where sale has been claimed as inside the State, has been paid; or has been included in the turnover of that State? If, No, give details.		
24	Sales against Form C			7-1
	a	Whether single Form C consists of inter-State sale made during multiple quarters?		
	b	Whether Forms C duly filed and signed have been furnished to Assessing Authority?		

554DG/13-22

Computation of Delhi VAT Output Tax			
a	Whether turnover claimed exempt is in accordance with section 6 of the DVAT Act?		
b	Whether tax rates applied on the goods sold are in accordance with Section 4 read with various Schedules of the DVAT Act?		
c	Whether the amount collected as tax on sales, has been deposited to the Revenue in full and there is no unjust enrichment?		
d	Whether the computation of tax is in accordance with the provisions of DVAT Act?		
Adjustment in Delhi VAT Output Tax			
a	Whether the adjustment in the output tax claimed by the dealer is in accordance with section 8 of the DVAT Act?		
b	In case of adjustment in the output tax due to goods return, whether goods have been returned within a period of six months from the date of sale?		
c	Whether credit notes, for adjustment in output tax, have been issued in terms of Rule 45 of the DVAT Rules?		
Claim of Input Tax Credit (ITC)			
a	For all purchases on which the dealer has claimed ITC, whether the dealer holds tax invoices, which has been issued in terms of section 50(2) of the DVAT Act?		
b	Whether the purchases on which ITC has been claimed are eligible in terms of sec. 9(1) read with 9(2) of DVAT Act and are not specified in Schedule VII appended to DVAT Act?		
c	Whether the purchase of goods on which ITC has been claimed are used for eligible sales as specified in section 9(1) of the DVAT Act?		
d	Whether ITC has been claimed on goods incorporated in immovable property owned by the Auditee?		

e	Have you ensured that ITC has not been claimed on inputs or capital goods which are exclusively used in making of exempted goods?		
f	Where a dealer has purchased goods and the goods are to be used partly for the purpose of making the sales referred to in section 9(1) and partly for other purposes, whether the amount of ITC has been reduced proportionately in terms of section 9(4) read with Rule 6 of the DVAT Rules? <i>Give a detailed note on the method employed for such reversal and valuation of such amount.</i>		
g	Where a dealer has purchased goods and the goods are transferred in terms of section 9(6), whether the amount of the ITC has been reversed in accordance with Rules 6 and 7 of the DVAT Rules? <i>Give a detailed note on the method employed for such reversal in the Annexure and valuation of such amount.</i>		
h	Whether the tax credit on capital goods, which are defined u/s 2(1)(f), has been claimed in accordance with section 9(9) of the DVAT Act? <i>Give bill-wise details of nature of capital goods purchased, cost of goods, amount of tax and tax credit claimed in the Annexure if ITC involvement exceeds Rs. 1,000/- individually).</i>		
i	Whether depreciation has been claimed on the amount of tax on purchase of capital goods, in contravention of section 9(9) of the DVAT Act?		
J	Whether ITC has been reversed in case of sale/transfer of capital goods before the specified period?		
k	Whether ITC claim by works contract dealers has been calculated in compliance to the Seventh Schedule appended to the Act ?		
6	<b>Reversal of Input Tax Credit (ITC)</b>		4-4
a	Whether ITC has been reversed on return/rejection of goods purchased?		
b	Whether ITC has been reversed on discounts, etc. on the basis of credit notes issued in terms of rule 45 read with sec. 51 of the DVAT Act?		

	c	Where a dealer has purchased goods and the goods are subsequently used partly for the purpose of making the sales referred to in section 9(1) and partly for other purposes, whether the amount of ITC has been reduced proportionately in terms of section 10(2) read with Rule 6 of the DVAT Rules? <i>Give a detailed note on the method employed for such reversal in the Annexure and valuation of such amount.</i>		
	d	Where a dealer has purchased goods and the goods are subsequently transferred in terms of section 10(3), whether the amount of tax credit has been reversed in accordance with Rules 6 and 7 of the DVAT Rules? <i>Give a detailed note on the method employed for such reversal in the Annexure and valuation of such amount.</i>		
	e	Whether ITC has been reversed on goods lost/destroyed in accordance with Rule 7 of the DVAT Rules?		
	f	Whether ITC has been claimed on such goods which are specified in Schedule VII of the DVAT Act?		
7	<b>Computation of Tax</b>			
	a	Whether calculations made for computation of tax are correct?		
	b	Where credit has been claimed on the basis of TDS certificates; and whether such certificate has been issued in accordance with Rule 59(2) and challan for payment of tax has been attached to such certificate?		
	c	Have you verified copies of duly receipted DVAT-20 as evidence of payment of tax?		
	d	In case of excess tax paid, whether the amount has been correctly carried over/brought forward to/from the subsequent tax period?		



For Auditors' original in Works Contracts		T.D.I.	
a	Peruse the major contracts on test-check basis. Have you come across with any specific adverse clause?		
b	Give a detailed Note on manner of calculation of turnover in a given tax period.		
c	Whether turnover is accounted for on cash basis or on mercantile basis? Does the same commensurate with the method adopted for Income Tax purposes?		
d	In case of EPC contracts, whether project-wise accounts/statements have been maintained?		
e	Furnish a list of all contractees in Delhi, alongwith nature of contract, total contract value, work done during the audit period and time of transfer of property in the goods as per the contract (at the time of incorporation or delivery or some other time) in every contract?		
f	Whether turnover shown in the returns includes the total value of the contract executed in Delhi including high-seas transactions, inter-State sales and exempted turnover, i.e., labour and services charges?		
g	In case of AMC contracts, what is the method of computing turnover in respective tax periods?		
h	Whether CST has been paid by the Auditee in Delhi/Other State on such turnover which is claimed as inter-State sale in DVAT Return?		
i	Whether goods purchased from third parties located in Delhi or outside Delhi and used in works contracts in Delhi, has been claimed exempt? If yes, give complete details.		
j	Where labour and services charges have been calculated on actual basis, are you satisfied with correctness of claim? Also give a Note on the manner of such computation on tax period basis.		

554DG/13-23

	k	Where labour and services charges have been calculated on percentage basis specified under rule 3(2), whether correct percentage has been applied for such computation?		
	l	Where contract has been awarded to the sub-contractor, whether turnover of sub-contractor has been claimed as exempt? If yes, give a note manner of presentation in DVAT Return?		
	m	Whether input tax credit has been claimed on the bills received from sub-contractors opting for composition scheme? Is it ascertainable from the bills whether the sub-contractor has opted for the composition?		
	n	Whether input tax credit has been claimed on labour & services charges received/purchased as defined under rule 3(2) of DVAT Rules?		
9	For Dealers engaged in the business of composite contracts/transactions			10.5
	a	Whether the Auditee is engaged in composite contracts involving material and services, dominantly (other than works contracts), e.g., mandap keeper, event management, outdoor caterers, etc.? If yes, give complete details?		
	b	What is the method of bifurcation of turnover on goods and services? Are you satisfied with the same? Give detailed note.		
10	For Dealers engaged in Leasing Business (Transfer of right to use Goods)			10.5
	a	Whether goods under lease agreement are taxed at the rate as applicable to respective goods under various Schedules of DVAT Act?		
	b	If the agreement of transfer of right in respect of intangible goods has been executed in Delhi, whether due VAT has been paid under the DVAT Act?		
	c	Have you verified lease agreements on test check basis? Report any adverse material noted.		

11. Dealers who have opted for Composition Scheme for DVAT Composition Dealer				
a	Whether the dealer has applied for the composition scheme in the prescribed manner?			
b	Whether composition dealer has satisfied all the conditions specified in section 16 and in the respective notification? If No, compute tax on normal basis (i.e. u/s 11 read with sec. 3).			
c	Whether the dealer has issued retail invoice only, stating, "Composition Dealer, VAT not to be charged"?			
d	Whether the dealer has made his all taxable purchases from registered dealers only?			
e	Whether the dealer has furnished details of purchases in DVAT-30 along with his Returns?			
<b>12. Computation of Central Sales Tax</b>				
a	Whether tax rates applied on the goods sold are in accordance with section 8(1) and 8(2) of the CST Act read with section 4 of DVAT Act			
b	Whether the amount collected as tax on sales, has been deposited to the Revenue in full?			
c	Whether the computation of tax is in accordance with the provisions of CST Act?			
<b>13. Central Purchases</b>				
a	Where the dealer has made inter-State purchases on the strength of Form C,			
	i	whether the said items are included in his Central RC on the date of purchase?		
	ii	whether the purposes for which goods are purchased, are included in his Central RC?		
	iii	Whether such purchases are used for the purpose of making sale (local or inter-State) and due tax been paid there upon? Special care need to be taken in case of purchases used in works contracts.		

554DA/13-24

	iv	Whether such purchases are used for the purposes for which these were made?		
	b	Where the Auditee has made inter-State purchases on the strength of any other Form, whether he has complied with conditions prescribed in the CST Act or Rules made thereunder?		
	c	Advance Declaration Forms from DVAT Deptt.		
	i	Whether the dealer has obtained Advance Declaration Forms from the Department?		
	ii	If yes, has he furnished Form 2B within a period of three months from the end of the quarter to which declarations relate?		
14	Deduction of TDS			104
	a	Whether the Auditee is liable to deduct TDS on works contracts (including Annual Maintenance Contracts) as per section 36A of DVAT Act?		
	b	If, yes, whether he has applied for TAN within the prescribed time?		
	c	Has he defaulted in deduction of TDS?		
	d	Has he deposited amount of TDS in time?		
	e	Have you ensured that the deductee of TDS has deposited tax in Govt. treasury stating as TDS and TAN; and further, he has not adjusted the same against his output tax liability?		
	f	Has he issued TDS certificates in time?		
	g	Has he furnished the Annual Return in time?		
15	Maintenance of Books of Accounts			105
	Whether Auditee has maintained following records, either manual or on computer:-			
	a	VAT Account	Rule 42(1)(a)-DVAT Rules	
	b	DVAT - 30	Rule 42(1)(b)-DVAT Rules	
	c	DVAT - 31	Rule 42(1)(c)-DVAT Rules	
	d	Stock Register	Rule 42(1)(f)-DVAT Rules	

	e	Form No. 2 (Register of C Forms)	Rule 5(8) - CST (Delhi) Rules		
	f	Form No. 5 (Register of F Forms)	Rule 8(5) - CST (Delhi) Rules		
	g	Form No. 4 (Register of Inter-State Sales)	Rule 13 - CST (Delhi) Rules		
	h	Form No. 6 (Transferee of goods issuing Form F)	Rule 8(12) - CST (Delhi) Rules		
	i	Form No. 7 (Transferor of goods)	Rule 9(1) - CST (Delhi) Rules		
Part C			Parting of information and Miscellaneous		
	a	Whether the particulars of persons recorded on the R.C. tallies with some valid documents, i.e., PAN, driving license, passport, etc.?			
	b	Whether the Auditee is registered with the Department with two or more "Trade Names" in separate wards? If yes, give details, even if some registration has already been cancelled.			
	c	Has the Auditee obtained two or more registration with the Department at the same premises in different "Trade Names" in which he is related? If yes, give details, even if some registration has already been cancelled.			
	d	Whether information has been filed in time in the circumstances requiring amendment in the Local R.C. in terms of section 21 of the DVAT Act and in Central R.C.?			
	e	Whether any application for amendment is pending for disposal on the date of audit having an impact of the audit period or part thereof?			
	f	Whether tax payable u/s 11, composition tax u/s 16 and TDS payable u/s 36A for various tax periods have been deposited within the prescribed time?			

g	Whether DVAT-51 for various quarters have been filed within the prescribed time?		
h	Wherever the Auditee has furnished security which gets expired after certain period, e.g., bank guarantees, fixed deposit receipts, etc., has he furnished renewed security in time?		
i	Whether the audit report u/s 49 has been furnished in time?		
j	Whether the dealer is liable to pay any demand which has not been stayed either through filing of objections/appeals or otherwise? If yes, give details.		
k	Whether the Auditee has violated any other provisions of the DVAT Act or CST Act?		
l	Are you satisfied, in general, with the compliance of VAT/CST Laws by the Auditee?		

Place

Date:

Seal

Signature:

Name:

Enrolment / Membership No.....

This Notification shall come into force with effect from the financial year 2012-13. Dealers liable to file Audit Report under this Notification shall submit the same in respect of financial year 2012-13 on or before November 15, 2013.

PRASHANT GOYAL, Commissioner, Value Added Tax